Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 181
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

लखनऊ-गुरूवार ,30 अक्टूबर 2025 लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 लखनऊ में होने जा रहा है भारत का सबसे बड़ा फ्रीस्टाइल 4 मध्य एशिया में भारत की पकड़ ढीली हुई, खाली करना 5 तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

सीएम योगी का आरजेडी पर तीखा हमला

जो पशुओं का चारा खा जाये, वह मनुष्य का हक भी डकार जाता है:सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राकेश रंजन ओझा के पक्ष में जनसभा की। योगी ने कांग्रेस व राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि इन लोगों ने विकास कार्यों को पूरा नहीं किया, क्योंकि जो पशुओं का चारा खा जाए, वह मनुष्य का हक भी डकार जाता है। आज मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास के भाव के साथ हर नौजवान, गरीब, किसान, माता-बहन को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय भाषा में संवाद की शुरूआत की और मतदाताओं से कमल खिलाने की अपील की। यहां उन्होंने विपक्षी दलों (राजद, कांग्रेस) को खूब धोया। सीएम ने कहा कि इंद्रदेव के आशीर्वाद से यह तय हो गया है कि फिर से एनडीए सरकार बिहार में बनेगी। योगी ने कहा कि मोदी जी के कार्यकाल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से उबरकर स्वावलंबन के पथ पर आगे बढ़े हैं। अब बिहार से पलायन नहीं होता, बल्कि यहां से निकले इंजीनियर बिहार को प्रगति पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। सीएम ने बिहार की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां के नौजवानों में ईश्वर प्रदत्त बुद्धि है। थोड़ा सा प्लेटफॉर्म मिले तो बिहार का नौजवान दुनिया को अपनी बुद्धि से आकर्षित रखने का सामर्थ्य रखता है। देश में जहां भी बिहार के युवाओं ने कार्य किया, अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार पर भारत का हर नागरिक गौरव की अनुभूति करता है। उन्होंने बिहार की धरती के महापुरुषों, लोकतंत्र सेनानियों का जिक्र किया और कहा कि यहां का अतीत गौरवशाली रहा, लेकिन राजद का 15 वर्ष और उससे पहले कांग्रेस का कार्यकाल कलंक से कम नहीं है। इस दौरान बिहार के नागरिकों को पहचान के संकट से गुजरना पड़ता था। नौजवान पलायन, किसान आत्महत्या, व्यापारी डरा-सहमा रहता था और बेटी-बहन की सुरक्षा भगवान भरोसे हो गई थी। योगी ने कहा कि बिहार ने जब 2005 में अंगड़ाई ली और नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी तो माफिया की उल्टी गिनती शुरू हो गई। बिहार नई दिशा की ओर आगे बढ़ा। बिहार में आज वह सब कुछ है, जो 50 वर्ष पहले हो जाना चाहिए। यहां कनेक्टिविटी, बाढ़ प्रबंधन, स्कूली शिक्षा, मेडिकल, इंजीनियरिंग कॉलेज समेत गरीबों के लिए अनेक योजनाएं हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 के पहले परिवारवाद का दंश झेल रहा बिहार अराजकता व गुंडागर्दी की चपेट में आकर माफियाराज का शिकार हो गया था, लेकिन 20 वर्ष में अथक परिश्रम कर नीतीश सरकार ने उसे उभारने में बड़ी मदद की। आज बिहार पर कोई प्रश्न नहीं खड़ा करता। जो बिहार के नागरिकों की आकांक्षा है, आज यहां वह सब कुछ है। उन्होंने अपील की कि बिहार के विकास में चल रही रफ्तार थमनी नहीं चाहिए। डबल इंजन सरकार बुलेट ट्रेन की स्पीड से बिहार की प्रगति को बढ़ा सके, इसके लिए आपका आान करता हूं। योगी ने कहा कि बिहार में आज विकास व विरासत भी है। राम-कृष्ण-शिव, बाबा महेंद्र नाथ, महर्षि विश्वामित्र, महात्मा बुद्ध, बाबू जगजीवन राम, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की परंपरा ही हमारी विरासत है। उन्होंने बिहारवासियों से पूछा कि राम मंदिर बनने से आप खुश हैं, जवाब आया हां। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, राजद व यूपी में इनका पार्टनर समाजवादी पार्टी राम मंदिर का विरोध कर रहे थे। यह लोग अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं करा पाते। कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं, राजद ने कहा कि हम मंदिर नहीं बनने देंगे। सपा रामभक्तों पर गोली चलाती थी।

जागेश्वर हमारी आस्था और विश्वास का केंद्र, इसे भव्य और दिव्य स्वरूप देंगे: सीएम

अल्मोड़ा (एजेंसी)। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जागेश्वर धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रसिद्ध तीर्थस्थल जागेश्वर धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने 76.78 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित छह विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मंगलवार को सीएम ने जागेश्वर धाम परिसर का पैदल भ्रमण किया और जागेश्वर धाम मास्टरप्लान की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जागेश्वर हमारी आस्था और विश्वास का केंद्र है, इसे दिव्य और भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए सभी विभाग संपूर्ण समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए धाम की बुनियादी अवसंरचना को मजबूत किया जाना आवश्यक है। साथ ही वृद्ध जागेश्वर को भी विकसित किया जाएगा, क्योंकि दोनों स्थलों का पौराणिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। जागेश्वर धाम का समग्र विकास आध्यात्मिक, पर्यटन और सांस्कृतिक दृष्टि से वैश्विक पहचान सुनिश्चित करेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के नए अवसर खोलेगा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, डीएम अंशुल सिंह, एसएसपी देवेंद्र पींचा, सीडीओ रामजीशरण शर्मा, एसडीएम संजय कुमार, तहसीलदार बरखा जलाल सहित लोग मौजूद रहे।

रेप केस में उम्रकैद काट रहे आसाराम को राहत, राजस्थान हाईकोर्ट से 6 महीने की मेडिकल जमानत मंजूर

जोधपुर (एजेंसी)। रेप केस में उम्रकैद की सजा भुगत रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम बापू को राजस्थान हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनकी खराब सेहत को देखते हुए उन्हें 6 महीने की अंतरिम जमानत प्रदान की है। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद जारी किया। फिलहाल आसाराम का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने अपनी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का हवाला देते हुए कोर्ट में नियमित जमानत की अर्जी दी थी। हालांकि अदालत ने स्थायी राहत नहीं दी, बल्कि चिकित्सा कारणों से अंतरिम जमानत को मंजूरी दी है ताकि वे उपचार जारी रख सकें। इससे पहले जनवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने भी आसाराम को मेडिकल ग्राउंड पर मार्च के अंत तक अंतरिम जमानत दी थी। शीर्ष अदालत ने उस समय कहा था कि आसाराम की उम्र अधिक है, उन्हें दो बार हार्ट अटैक आ चुका है और कई गंभीर बीमारियों का सामना कर रहे हैं। आसाराम को अगस्त 2013 में एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जोधपुर की अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। यह मामला उस समय देशभर में सुर्खियों में आया था जब 16 वर्षीय लड़की ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि जोधपुर स्थित आश्रम में आसाराम ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रच दिया इतिहास, राफेल विमान से भरी उड़ान, जवानों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

अंबाला (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला में स्थित वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने भी इसी एयरबेस से एक अलग विमान में उड़ान भरी। राफेल विमान में चढ़ने से पहले राष्ट्रपति ने ह्यजी-सूटह्ल पहना था। हाथ में हेलमेट लिए और धूप का चश्मा लगाए मुर्मू ने पायलट के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। पूर्वाह्न 11.27 बजे विमान के उड़ान भरने से पहले राष्ट्रपति ने विमान के अंदर से हाथ हिलाकर अभिवादन किया। आज सुबह वायुसेना स्टेशन पहुंचने पर राष्ट्रपति को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया था। सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर मुर्मू ने 8 अप्रैल, 2023 को असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन में सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी और वह ऐसा करने वाली तीसरी राष्ट्रपति बनी थीं। पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल ने क्रमशः 8 जून, 2006 और 25 नवंबर, 2009 को पुणे के पास लोहेगांव वायुसेना स्टेशन से सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी दसॉ एविएशन द्वारा निर्मित राफेल लड़ाकू विमान को सितंबर 2020 में अंबाला वायुसेना स्टेशन पर भारतीय वायुसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया गया था। पहले पांच राफेल विमानों को 17वें स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज में शामिल किया गया था। ये विमान 27 जुलाई, 2020 को फ्रांस से यहां पहुंचे थे। पाकिस्तान के नियंत्रण वाले इलाकों में आतंकी ढांचों को नष्ट करने के लिए सात मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में राफेल विमानों का इस्तेमाल किया गया था। इन हमलों के बाद चार दिन तक भीषण सैन्य झड़प हुई, जो सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद 10 मई को समाप्त हुई।

बिहार चुनाव में राहुल गांधी ने भरी हुंकार

नीतीश कुमार का रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में:राहुल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान का आगाज करते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में है। उन्होंने मुजफ्फरपुर जिले के सकरा में अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं। इस सभा में महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और इस गठबंधन के घटक दलों के कुछ नेता शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा, बिहार में 20 साल से नीतीश जी सरकार चला रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए उन्होंने क्या किया? क्या आप ऐसा प्रदेश चाहते हैं जहां आपको कुछ भी नहीं मिले और अदाणी जी को एक-दो रुपये में जमीन दे दी जाए?उन्होंने कहा, हमें वह बिहार चाहिए जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार हो तथा बिहारियों को अपना भविष्य दिखाई दे... हम ऐसा बिहार चाहते हैं जहां से लोगों को रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशों में न जाना पड़े बल्कि दूसरे राज्यों के लोग यहां आकर काम करें।कांग्रेस नेता ने कहा कि महागठबंधन बिहार को सबसे आगे ले जाना चाहता है। उन्होंने कहा, बिहार के लोग किसी भी मामले में किसी से कम नहीं हैं। यह प्रदेश सबसे आगे जा सकता है और जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया, नीतीश जी के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है और रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया, तीन-चार लोग (नीतीश को) नियंत्रित करते हैं और भाजपा के हाथ में रिमोट कंट्रोल है तथा इन लोगों को सामाजिक न्याय से कोई लेनादेना नहीं है। राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली में यमुना के किनारे छठ पूजा के आयोजन का हवाला देते हुए कहा कि एक तरफ यमुना नदी में गंदा पानी था और बगल में साफ पानी का तालाब बनाया गया था ताकि प्रधानमंत्री उसमें नहाकर ड्रामा कर सकें, जबकि उन्हें छठ पूजा से कोई लेनादेना नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस बारे में जब पूरे हिंदुस्तान को पता चल गया तो प्रधानमंत्री मोदी छठ पूजा के इस आयोजन में नहीं गए। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से कहा, अगर आप मोदी जी से कहें कि हम आपको वोट देंगे, आप यहां नाचिए तो वह नाच लेंगे।

नाना पटोले ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में महिला डॉक्टर संपदा मुंडे की आत्महत्या के मामले ने पूरे राज्य में हलचल मचा दी है। इस मामले को लेकर अब राजनीति भी तेज हो गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और मौजूदा विधायक नाना पटोले ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है। पटोले ने अपने पत्र में कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। उन्होंने लिखा कि डॉ. संपदा मुंडे एक समर्पित और परोपकारी चिकित्सक थीं, जिन्होंने अपने पेशे के प्रति ईमानदारी और मानवता के साथ सेवा की। लेकिन, कार्यस्थल पर उन्हें मानसिक उत्पीड़न और अपमान का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्होंने यह दुखद कदम उठाया। नाना पटोले ने अपने पत्र में यह भी बताया कि डॉक्टर की आत्महत्या के बाद परिवार और स्थानीय चिकित्सक संघों ने गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें कहा गया है कि उन्हें लंबे समय से मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इस कारण अब पूरे राज्य के स्वास्थ्यकर्मियों में आक्रोश है।

भाजपा सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं, दबाई जा रही पीड़ितों की आवाज:अखिलेश

अखिलेश यादव का बीजेपी पर हमला

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में दबंग और अपराधी तत्वों के मनोबल इस कद बढ़ गये कि कोई भी सुरक्षित नहीं है। अखिलेश यादव यादव ने बुधवार को कहा कि सत्ता के अहंकार में भाजपाई और सामंतवादी ताकतें किसान, नौजवान, महिलाएं सभी के साथ अन्याय कर रहीं है। संविधान और संविधान निमार्ता बाबा साहब का नाम मिटाने का षड्यंत्र है। भाजपा उत्तर प्रदेश में तो किसानों पर अत्याचार कर ही रही है अन्य राज्यों, जहां उसकी सरकार है, वहां भी प्रताड़ित कर रही है। किसानों की जमीन और फसल छीनने की साजिश कर रही है। उत्तर प्रदेश का लखीमपुरखीरी हो या मध्य प्रदेश का गुना। भाजपा नेताओं द्वारा किये जा रहे जुल्म, ज्यादती, उत्पीड़न का तरीका एक जैसा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। पीड़ितों की आवाज दबाई जा रही है। भाजपाइयों की सामंती सोच में नारी का न तो कोई मान है और न स्थान है। भाजपा जनता को बरगलाने के लिए झूठे नारे देती है। महिलाएं और बेटियां समय-समय पर अपनी पीड़ा और भाजपा की सच्चाई समाज के सामने लाकर इस सरकार की पोल खोलने का काम कर रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि सच्चाई यह है कि भाजपा प्रदेश में सामंतवादी तरीके से सत्ता संचालित करना चाहती है। भाजपा संविधान और कानून को नहीं मानती है। भाजपाई और उसके संगी साथी हर दौर में रूप बदल कर संविधान को हटाने और बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर का नाम मिटाने का प्रयास करते है। भाजपाई सोच बाबा साहब और उनके विचारों से नफरत करती है। समाजवादी पार्टी और पीडीए संविधान और बाबा साहब के विचारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध और वचनबद्ध है। क्योंकि संविधान हमारी ढाल है।

पीएम मोदी ने जापान की नव नियुक्त प्रधानमंत्री से की बात, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को जापान की नव नियुक्त प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ टेलीफोन पर बात की और दोनों नेताओं ने विशेष रूप से भारत-जापान रणनीतिक तथा वैश्विक साझेदारी को मजबूत बनाने के बारे में चर्चा की।पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री ताकाइची को पदभार ग्रहण करने पर बधाई और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत-जापान के बीच मजबूत संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। बाद में मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। पदभार ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी और आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग और प्रतिभा गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने के अपने साझा दृष्टिकोण पर चर्चा की।हम इस बात पर सहमत हुए कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत-जापान के मजबूत संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय किसान संघ ने मोहन यादव को दी चेतावनी, लैंड पुलिंग को लेकर स्पष्ट करें स्थिति

उज्जैन (एजेंसी)। भारतीय किसान संघ ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से आग्रह किया कि वे उज्जैन में सिंहस्थ नगर विकास योजना मास्टर प्लान (लैंड पुलिंग) को लेकर स्थिति स्पष्ट करें, अन्यथा किसान संघ इस संबंध में जन आंदोलन करेगा। किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने बयान जारी करते हुए कहा है कि उज्जैन में 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की जमीन अधिग्रहण करने के लिए लाए लैंड पुलिंग कानून (सिंहस्थ नगर विकास योजना मास्टर प्लान) को लेकर किसान विरोध कर रहे हैं। हाल ही में बगैर सहमति से सिंहस्थ मेला क्षेत्र की जमीन के गजट नोटिफिकेशन होने पर एक बार फिर किसान भड़क गए हैं और लैंड पुलिंग को लेकर अब आर पार के मूड में हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर की अदालतों में आरोप तय करने में हो रही देरी पर जताई चिंता, कहा-इस पर जारी करेंगे दिशानिर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में कई ऐसे केस हैं, जिनमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार कर रही है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त किया जा सके। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा को अमाइकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल से भी इस विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। अदालत ने बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है। पीठ एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी।

नीतीश-मोदी ने बिहार को भ्रष्टाचार-अपराध दिया: तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन पूरी एकजुटता के साथ प्रचार मैदान में उतरा हुआ है।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और महागठबंधन के सीएम उम्मीदवार तेजस्वी यादव की मुजफ्फरपुर में संयुक्त रैली हुई। इस दौरान दोनों ही नेताओं ने जनता के सामने महागठबंधन के वादों को दृढ़ता से पेश किया। अपने सम्बोधन में तेजस्वी ने बिहार के विकास का मुद्दा उठाया। सीएम नीतीश कुमार के कार्यकाल और पीएम मोदी के कार्यकाल का जिक्र करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, 20 साल से नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं। 11 साल से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। सकरा को कुछ कारखाना मिला है क्या? कोई अच्छा अस्पताल मिला होगा? कोई विश्वविद्यालय मिला होगा? लोगों को नौकरी रोजगार मिला होगा?केवल घूसखोरी बढ़ी है की नहीं? जो 20 साल में नहीं दिए वे अगले 5 साल में कहां से देंगे? तेजस्वी ने केंद्र से लेकर बिहार तक एनडीए सरकार में राज्य की जर्जर अवस्था की पोल खोल कर रख दी। उन्होंने बताया कि बिहार में पलायन सबसे ज्यादा है..बिहार देश का सबसे गरीब राज्य है, यहां सबसे ज्यादा बेरोजगारी है, और प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है। उन्होंने लोगों से अपील की की वो तेजस्वी को एक मौका दें। साथ ही ये पूछा भी कि क्या उन्हें तेजस्वी से कोई शिकायत है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार आने पर लोगों को नौकरी पक्की मिलेगी, उन्होंने जोर देकर कहा कि तेजस्वी लोगों की उम्मीदों पर छक्का लगाएगा और हर परिवार में एक सरकारी नौकरी का भी वादा दोहराया और कहा कि इसके लिए उनकी सरकार में बाकायदे कानून बनाया जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन के सीएम उम्मीदवार और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव कहते हैं, तेजस्वी बिहार से पलायन खत्म करना चाहते हैं और बिहार को अपराध-मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना चाहते हैं। मैं बिहार को नंबर वन बनाना चाहता हूँ। लेकिन नीतीश कुमार के 20 साल और नरेंद्र मोदी के 11 साल के शासन के बाद भी, बिहार देश का सबसे गरीब राज्य बना हुआ है। बिहार में सबसे ज्यादा बेरोजगारी, महंगाई और पलायन है... हमारी सरकार बनते ही 20 दिनों के अंदर हर उस परिवार को सरकारी नौकरी देने का कानून पारित किया जाएगा जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं है...तेजस्वी यादव ने अपने वादों को अपना प्रण बताया है।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-गुरूवार ,30 अक्टूबर 2025

सतर्कता जागरूकता सप्ताह : उत्तर रेलवे द्वारा सतर्कता बैठक और वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

नई दिल्ली: सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तीसरे दिन, आज उत्तर रेलवे मुख्यालय में सतर्कता विभाग द्वारा एक सतर्कता बैठक का आयोजन किया गया। सभी सतर्कता निरीक्षक और सतर्कता अधिकारी सतर्कता - हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर विचार-विमर्श करने के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान, सतर्कता निरीक्षकों ने केस स्टडी प्रस्तुत किए और अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े अनुभवों को साझा किया । उन्होंने सतर्कता जांच के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की। इसके अलावा, उत्तर रेलवे सतर्कता विभाग द्वारा आज (29.10.2025) को 15:00 बजे एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस प्रतियोगिता में राजपत्रित अधिकारियों और अराजपत्रित कर्मचारियों दोनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

खलीलाबाद स्टेशन की सफाई करती हुई सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 29 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, कार्यालयों, कॉलोनियों, चिकित्सालयों तथा अन्य स्थलों की साफ-सफाई की गई। मंडल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/ई.एन.एच.एम. श्री महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में स्टेशनों पर नियमित स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता जन-जागरूकता रैली निकाल कर स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाया। इस दौरान स्टेशनों, सकुर्लेटिंग एरिया, कॉलोनियों, चिकित्सालयों, डिपो, रेलवे ट्रैक एवं अन्य क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। मंडल रेल प्रबन्धक/वाराणसी श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर /ई.एन.एच.एम. श्री अभिषेक राय की देखरेख में आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धी नारे, पोस्टर एवं बैनरों के माध्यम से एक जागरूकता रैली निकालकर रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

सतर्कता बुलेटिन शुचि दर्पण का विमोचन करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर, आमंत्रित वक्ता तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर,2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में 29 अक्टूबर,2025 को पूर्वान्ह रेलवे अधिकारी क्लब,गोरखपुर में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य में सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी पर सतर्कता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारम्भ महाप्रबन्धक, आमंत्रित वक्ता, अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल तथा प्रमुख विभागाध्यक्षों ने सरदार बल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सतर्कता विभाग की वार्षिक पत्रिका शुचि दर्पण का विमोचन महाप्रबन्धक, आमंत्रित वक्ता तथा प्रमुख विभागाध्यक्षों ने किया। सेमिनार में लौह पुरूष बल्लभ भाई पटेल को नमन करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि आमंत्रित वक्ताओं ने सतर्कता पर मार्गदर्शन स्वरूप भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सतर्कता सेमिनार प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है जिसमें नैतिक मूल्यों की चर्चा होती है। यदि हम सभी इन नैतिक मूल्यों को अपने अन्दर आत्मसात करें तो इस तरह के कार्यक्रमों की आवश्यकता ही नहीं होगी। महाप्रबन्धक ने कहा कि किसी को यह नहीं सोचना चाहिये कि वह ही सब कुछ जानते हैं। ऐसा सोचना आगे सीखने के क्रम को रोक देता है। गीता का सार यह है कि जब आपके मन में कर्तव्य और भावनाओं के बीच द्वन्द होता है तो कर्तव्यपथ पर चलना चाहिये। अपने कर्तव्यों पर सही ढंग से चलना ही नैतिकता है। श्री बोरवणकर ने कहा कि सतर्कता सप्ताह के प्रथम दिन ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा की जो शपथ ली गयी है उसको सभी आत्मसात करें। अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल ने कहा कि हर रेलकर्मी को चाहिये कि स्वयं सतर्क होकर कार्य करें और अपनी टीम को भी सतर्क रखें। कार्यों को समय से पूरा करें, गुणवत्ता में कमी को अनदेखी न करें। यदि ऐसा करते हैं तो कोई दिक्कत नहीं आती है। वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक श्री तुषार कान्त पाण्डेय ने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन पर रेलवे पर प्रतिवर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। सतर्क रहकर कार्य करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने मुंशी प्रेमचंद की कहानी नमक का दरोगा में समाज की बुराईयों पर व रिश्वतखोरी पर प्रहार पर प्रकाश डाला। आमंत्रित वक्ता एवं सेवानिवृत्त प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री राकेश त्रिपाठी ने कहा नीतिशास्त्र को मानव के आचरण का दर्पण कहा गया है। यह जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा कि नीतिशास्त्र हमें सद्गुणों की तरफ ले जाती है। नैतिक मूल्यों व कर्तव्यों का जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जीवन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए यह नीतिशास्त्र बताता है। सदाचार व नैतिक मूल्यों का जीवन में महत्व व व्यवहारिक जीवन में नैतिकता का प्रयोग नीतिशास्त्र से ज्ञात होता है। भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति डा0 राजेन्द्र प्रसाद के प्रपौत्र एवं विद्वान डा0 अशोक जान्हवी प्रसाद ने कहा कि सरदार पटेल भ्रष्टाचार से हमेशा दूर रहते थे। सरदार पटेल एक सफल बैरिस्टर रहते हुये महात्मा गांधी के स्वतंत्रता आन्दोलन में शामिल हुये । श्री पटेल 40 वर्षों तक स्वयं अपना बुना कपड़ा पहनते थे। उन्होंने कहा कि केवल कानून बनाने से ही भ्रष्टाचार नही रूकता है। लोगों को भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक करना होगा। लोगों ने भ्रष्टाचार को स्वीकार कर लिया है। गलत कार्यों की स्वीकारोक्ति को कम करने की आदत डालने की आवश्यकता है। करप्शन को लोग केवल फाइनेंस के परिप्रेक्ष्य में देखते हैं जबकि ऐसा नहीं है। कुछ भी गलत करना भ्रष्टाचार है। वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक श्री तुषार कान्त पाण्डेय ने महाप्रबन्धक, आमंत्रित वक्ताओं को स्मृति चिन्ह तथा श्री गुरूचरण दास द्वारा लिखित पुस्तक डिफिकल्टी ऑफ बीइंग गुड नामक पुस्तक भेंट किया। सेमिनार का संचालन एवं स्वागत भाषण उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/भंडार श्री के.सी.सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/यांत्रिक श्री ए.पी.पाण्डेय ने किया। अपरान्ह में सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर ऑनलाइन ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यालय के कर्मचारी एवं उनके परिजनों ने प्रतिभाग किया। इसी क्रम में अधिकारी क्लब,गोरखपुर में इंजीनियरिंग कालेज के विद्यार्थियों के साथ क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2025 को तथा कोलकाता से 31 अक्टूबर, 2025 को निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: छठ महापर्व के पश्चात यात्रियों की वापसी यात्रा हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा 05088/05087 छपरा-कोलकाता-छपरा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 30 अक्टूबर, 2025 को तथा कोलकाता से 31 अक्टूबर, 2025 को निम्नवत किया जायेगा। 05088 छपरा-कोलकाता अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 30 अक्टूबर, 2025 को छपरा से 14.05 बजे प्रस्थान कर हाजीपुर से 15.15 बजे, मुजफ्फरपुर से 16.10 बजे, समस्तीपुर से 17.17 बजे, बरौनी से 18.35 बजे, किऊल से 20.37 बजे, झाझा से 22.45 बजे, जसीडीह से 23.52 बजे, दूसरे दिन मधुपुर से 00.17 बजे, चित्तरंजन से 01.10 बजे, आसनसोल से 01.47 बजे, दुगार्पुर से 02.19 बजे, बर्द्धमान से 03.33 बजे, बैण्डेल से 04.25 बजे तथा नैहाटी से 04.55 बजे छूटकर कोलकाता 06.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05087 कोलकाता-छपरा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 31 अक्टूबर, 2025 को कोलकाता से 09.00 बजे प्रस्थान कर नैहाटी से 09.50 बजे, बैण्डेल से 10.17 बजे, बर्द्धमान से 11.35 बजे, दुगार्पुर से 12.38 बजे, आसनसोल से 13.13 बजे, चित्तरंजन से 13.38 बजे, मधुपुर से 14.37 बजे, जसीडीह से 15.25 बजे, झाझा से 17.45, किऊल से 18.42 बजे, बरौनी से 20.25 बजे, समस्तीपुर से 21.35 बजे, मुजफ्फरपुर से 22.35 बजे तथा हाजीपुर से 23.35 बजे छूटकर दूसरे दिन छपरा से 01.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 18 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 26 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट व अपराध आसूचना शाखा,गोरखपुर द्वारा संयुक्त निगरानी के दौरान गोरखपुर के विद्युत विभाग ऑफिस के पास रखे रेल सम्पत्ति (ओएचई कापर वायर) की चोरी कर ले जाते समय 02 शातिर अपराधियों एवं एक बाल अपराधी को गिरफ्तार किया गया। 24 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज रामबाग व राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त निगरानी के दौरान प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन पर 02 शातिर अपराधियों को यात्रियों से चोरी किये हुए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। 26 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी को निगरानी के दौरान वाराणसी सिटी स्टेशन पर 16 वर्ष की एक नाबालिग लड़की मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, वाराणसी को सुपुर्द किया गया। 26 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मसरख को निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन मड़ावरा पर एक विक्षिप्त युवती लावारिस हालत में मिली, जिसे मसरख पोस्ट पर लाया गया। युवती के परिजन के पोस्ट पर उपस्थित होने पर युवती को सुपुर्द किया गया। 25 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 04095 में 09 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, छपरा को सुपुर्द किया गया। 24 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बदायूँ को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15062 में 09 वर्ष का एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे सुरक्षित उतारकर बदायूँ पोस्ट पर लाया गया। 25 अक्टूबर, 2025 को पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन, बदायूँ को सुपुर्द किया गया। 24 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बनारस को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 8 पर 13 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन चांदमारी, वाराणसी को सुपुर्द किया गया। 24 अक्टूबर, 2025 को गाड़ी सं0 20103 में रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को निगरानी के दौरान 14 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे सुरक्षित उतारकर खलीलाबाद चौकी पर लाया गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 26 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट थावे को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 05059 में यात्री का छूटा मोबाइल मिला, जिसे थावे पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर मोबाइल सुपुर्द किया गया। 26 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट भटनी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 55138 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे भटनी पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 26 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 11061 में यात्री का छूटा पिट्ठू बैग मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया।

30 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं प्रमुख नगरों के लिये 145 पूजा विशेष ट्रेनें 1,583 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 86 पूजा विशेष ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 1,364 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर 231 पूजा विशेष ट्रेनें 2,947 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन पूजा विशेष ट्रेनों के माध्यम से त्यौहारों में यात्रियों की यात्रा सुगम हो रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। 30 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 04.00 बजे प्रस्थान कर गोरखपुर, गोंडा, सीतापुर होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत, इज्जतनगर, कासगंज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.25 बजे प्रस्थान कर आनन्दनगर, बढ़नी, गोंडा होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी लालकुआँ से 13.35 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत, मैलानी, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, छपरा होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05088 छपरा-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 14.05 बजे प्रस्थान कर हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, बरौनी होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05132 बहराइच-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी बहराइच से 14.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, बढ़नी, आनन्दनगर होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05589 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 15.00 बजे प्रस्थान कर थावे, कप्तानगंज, गोरखपुर, गोंडा, सीतापुर होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 09076 काठगोदाम-मुम्बई सेन्ट्रल पूजा विशेष गाड़ी काठगोदाम से 17.30 बजे प्रस्थान कर लालकुआँ, इज्जतनगर, कासगंज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी थावे से 18.25 बजे प्रस्थान कर मसरख, खैरा होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05587 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी छपरा से 20.00 बजे प्रस्थान कर थावे, कप्तानगंज, गोरखपुर, गोंडा, ऐशबाग होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05033 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी बढ़नी से 21.30 बजे प्रस्थान कर गोंडा, ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल होते हुये चलाई जायेगी।

-30 अक्टूबर, 2025 को 05977 गोरखपुर-डिब्रुगढ़ पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 21.30 बजे प्रस्थान कर सीवान, छपरा, हाजीपुर, बरौनी होते हुये चलाई जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

कबड्डी प्रतियोगिता लिए 15 खिलाड़ियों की टीम बनी

बस्ती। अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में मंगलवार को कबड्डी खिलाड़ियों की मंडल स्तरीय टीम का चयन किया गया। अंतिम सूची देर शाम तक फाइनल नहीं हो पाई। क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया है। सूची अगले दिन जारी कर दी जाएगी। सुबह दस बजे से ही बस्ती और संतकबीरनगर के कबड्डी खिलाड़ी स्टेडियम में एकत्र हो गए। कोच ने अलग-अलग टीम बनाकर चयन ट्रायल कबड्डी का खेल कराया। इसमें खिलाड़ियों ने पूरे दमखम से कबड्डी में निपुणता दिखाने की कोशिश की। अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को कोच ने चिह्नित भी किया। क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि मंडलीय टीम में 15 खिलाड़ियों की टीम तैयार की गई है। इसमें शामिल लोगों का नाम अगले दिन बुधवार को सार्वजनिक किया जाएगा। यह सभी खिलाड़ी 30 से एक नवंबर तक कुशीनगर जिला खेल कार्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। कबड्डी कोच को चयनित खिलाड़ियों को लेकर कुशीनगर समय से पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

रोडवेज बसों में बढ़ गई यात्रियों की भीड़

बस्ती। छठ पूजा के समापन पर यात्री अब अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना हो रहे हैं। इससे रोडवेज बसों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। इसको देखते हुए डिपो प्रशासन ने सभी बसों को ऑनरोड कर दिया है। मंगलवार को दिल्ली और लखनऊ व कानपुर मार्ग समेत अन्य मार्गों पर 60 से अधिक बसें यात्रियों के लिए भेजी गईं। जिले में छठ महापर्व के लिए पूर्वांचल और बिहार से दिल्ली, मुंबई, कानपुर और लखनऊ जैसे बड़े शहरों से हजारों प्रवासी अपने घरों की ओर लौटे थे। पूजा समापन पर अब यह यात्री निकल रहे हैं। रेलवे में लगभग सभी ट्रेनें फुल हो चुकी हैं। इससे यात्रियों ने अब बसों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। दीपावली के बाद छठ के चलते यात्रा का दबाव कई गुना बढ़ गया है। बसों में यात्रियों की लंबी कतारें लगी हैं। रोडवेज परिसर में पिछले तीन दिनों से सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ देखी जा रही है। मंगलवार शाम को यात्री बस के लिए परेशान दिखे। हालांकि, डिपो प्रशासन की मुस्तैदी के चलते राहत मिली। एआरएम आयुष भटनागर का कहना है कि बस्ती डिपो की 60 बसें मंगलवार को विभिन्न रूटों पर भेजी गईं। कई लोकल मार्ग पर भी बसें गईं।

छठ मेले में बिछड़ों को अपनों से मिलाया

बस्ती। छठ महापर्व पर अमहट घाट पर समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति की तरफ से लगाए गए दो दिवसीय ह्लबिछड़े मिले-खोया पाया शिविरह्व का मंगलवार को समापन हुआ। संयोजक जयप्रकाश गोस्वामी ने बताया कि इस दौरान 100 से अधिक लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वीके वर्मा ने कहा कि छठ पर्व के दौरान अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के समय हजारों की भीड़ जुटती है, ऐसे में खोया-पाया शिविर की व्यवस्था आवश्यक है। जयप्रकाश गोस्वामी ने बताया कि समिति का यह प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेगा। भाजपा नेता ई. अरविंद पाल ने कहा कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सेवा करना सौभाग्य की बात है। शिविर के समापन समारोह में सत्येन्द्र श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, रोली सिंह आदि मौजूद रहे।

भागवत कथा से गूंजा बनकटा मिश्र, भक्ति-ज्ञान-वैराग्य पर डाला प्रकाश

बस्ती। जनपद के बनकटा मिश्र गांव में मंगलवार से श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। इस सात दिवसीय भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यास पीठ पर पं. दीपक कुमार शुक्ल ने कथा का शुभारंभ मंगलाचरण ह्लसच्चिदानंद रूपाय विश्वोत्पत्यादि हेतवे, तापत्रय विनाशाय श्रीकृष्णाय वयं नुमःह्व से किया। कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि यह भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का जीवंत स्वरूप है जो मनुष्य को धर्म, नीति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कथा स्थल पर धार्मिक झंडे, पुष्पमालाओं और रंगीन झालरों से भव्य सजावट की गई थी। वातावरण में हरि नाम के जयकारे और शंख ध्वनि गूंज उठे। यजमान के रूप में अरविंद मिश्र सपत्नीक एवं उनके परिवारजन स्वागत सत्कार में तल्लीन रहे। वादक के रूप में भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय के छात्र अंबरीष त्रिपाठी, वेंकटेश त्रिपाठी और राजीव शुक्ल ने अपने मधुर वादन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पंडित राम निरंजन पांडेय, पं. प्रसिद्ध पांडेय, विवेक मिश्र, आचार्य कृष्णमोहन त्रिपाठी सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोविंदनगर शुगर मिल गेट पर श्रमिकों का धरना जारी

वाल्टरगंज। गोविंदनगर शुगर मिल गेट पर किसानों और श्रमिकों का धरना प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को भी बड़ी संख्या में ग्रामीण, व्यापारी और मजदूर एकजुट होकर धरने में शामिल हुए। महेश पांडेय, नित्य राम चौधरी, वीरेंद्र चौधरी और राकेश चौधरी ने कहा कि किसानों और श्रमिकों के हित में मिल का पुनः संचालन अत्यंत आवश्यक है। जब तक मिल दोबारा शुरू नहीं होती, क्षेत्र के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार संभव नहीं है। वक्ताओं ने कहा कि शुगर मिल के बंद होने से हजारों किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं। वहीं, स्थानीय श्रमिकों का रोजगार भी छिन गया है। धरनास्थल पर किसानों, मजदूरों, व्यापारियों और समाजसेवियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। सभी ने मिल प्रबंधन और सरकार से शीघ्र ठोस कदम उठाने की मांग की।

रालोद की रैली कल, तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी 30 अक्तूबर को देशराज नारंग इंटर कॉलेज के परिसर में सुबह 11 बजे रैली को संबोधित करेंगे। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बस्ती और गोरखपुर मंडल के कार्यकर्ता, पदाधिकारी, किसान, मजदूर और विभिन्न वर्गों के लोग हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम संयोजक ऐश्वर्य राज सिंह ने बताया कि रैली की सफलता के लिए दायित्व दे दिए गए हैं। रैली में राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी, प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, सांसद चंदन सिंह चौहान के साथ ही अनेक वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे। गांव-गांव जाकर लोगों को जोड़ने का क्रम जारी है। दावा किया कि रैली ऐतिहासिक होगी।

बंदिशों की दहलीज लांघ बेटियां हासिल कर रहीं मुकाम

पुरानी बस्ती। मिशन शक्ति फेज 5 के तहत स्थानीय थानाक्षेत्र के लखनौरा में मंगलवार महिला जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं व बेटियों को जागरूक किया गया। महिला आरक्षी अंजलि सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज शासन प्रशासन से मिल रही सहूलियत व वरीयता से बेटियां बंदिशों की दहलीज लांघ ऊंचा नाम और मुकाम हासिल कर रही हैं। इसकी निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। आरक्षी पूर्णिया सिंह ने कहा कि सरकार व पुलिस महकमा महिलाओं को सहूलियत देने में तत्पर है, लेकिन आगे पहले महिलाओं को ही बढ़ना है।

बढ़त के साथ बंद हुआ भारतीय बाजार; सेंसेक्स 369 चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली। इस बीच भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को सकारात्मक दायरे में बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 368.97 अंक या 0.44 प्रतिशत उछलकर 84,997.13 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 477.67 अंक या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 85,105.83 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 117.70 अंक या 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,053.90 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में अडानी पोर्ट्स, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, सन फार्मा, ट्रेंट और एशियन पेंट्स प्रमुख लाभ में रहे। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

यूपी दिवस के दिन लखनऊ में लगेगा इंटरनेशनल रेसलर्स का जमावड़ा

लखनऊ में होने जा रहा है भारत का सबसे बड़ा फ्रीस्टाइल रेसलिंग शो, रणभूमि 1.0 क्लैश ऑफ बाहुबलीज

लखनऊ (संवाददाता)। नवाबों का शहर लखनऊ अब एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का गवाह बनने जा रहा है। पहली बार भारत में इतने बड़े स्तर पर अंतरराष्ट्रीय फ्रीस्टाइल रेसलिंग शो आयोजित किया जा रहा है कृ जिसका नाम है रणभूमि 1.0 रू क्लैश ऑफ बाहुबलीज, जिसमे विदेश से आये प्रतिष्ठित फ्रीस्टाइल रेसलर्स अपना जौहर दिखायेंगे,जो 24 जनवरी 2026 को के. डी. सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित होगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर राज्य की खेल भावना और नई ऊर्जा को समर्पित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है और खेल संस्कृति को पुनर्जीवित कर रहा है। अब यूपी और खासतौर पर लखनऊ, खेल प्रतिभाओं का केंद्र बनता जा रहा है। इसी दिशा में रणभूमि 1.0 रेसलिंग वर्ल्ड ऑफ भारत (ठ) खेल और मनोरंजन का एक शानदार संगम होगा ।द क्लैश ऑफ बाहुबलीज में दुनिया के दिग्गज पहलवान, फ्रीस्टाइल रेसलिंग सुपरस्टार्स हिस्सा लेने आ रहे हैं। जिनमें अब तक तय हुए पहलवानों में शामिल हैं- क्रिस मास्टर्स (अमेरिका), जो ई. लीजेंड (कनाडा), ग्रेट अलोफा (समोआध्अमेरिका), कार्लिटो (प्यूर्टो रिको), जुबरी (दक्षिण अफ्रीका), काउबॉय जे. स्टॉर्म (अमेरिका), टी.जे. ट्रेमर (दक्षिण अफ्रीका)और कई अन्य विदेशी स्टार पहलवान ।भारत की ओर से टाइगर राप्ता और बारूद जैसे नामी पहलवान इस अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में उतरेंगे, जो भारत की ताकत और परंपरा का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस आयोजन की औपचारिक घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई, जिसमें मुख्य रूप से राज सिंह, संस्थापक द्द रेसलिंग वर्ल्ड ऑफ भारत ध् बीजर बॉन्जर वर्ल्ड, मार्क बील, चेयरमैन द्द`च्ं्डॅ। (दक्षिण अफ्रीका), टाइगर राप्ता, वर्ल्ड हैवीवेट चौंपियन, अनिता सिंह, सह-संस्थापक द्द रेसलिंग वर्ल्ड ऑफ भारत ध् बीजर बॉन्जर वर्ल्ड, हसन याकूब, को-चेयरमैन द्द ौव्ब्भ्।ड मौजूद रहे ।राज सिंह, रेसलिंग वर्ल्ड ऑफ भारत और बीजर बॉन्जर वर्ल्ड के संस्थापक ने इस खास मौके पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक शो नहीं, बल्कि भारत के सबसे पुराने और प्रिय खेल कृ कुश्ती कृ को नए रूप में पुनर्जीवित करने का मिशन है। हमारे पूर्वजों की विरासत को आधुनिक मंच पर लाना ही इस आयोजन का उद्देश्य है। अब वक्त है कि भारत अपने बाहुबली योद्धाओं के दम पर दुनिया को दिखाए कि असली ताकत क्या होती है ।राज सिंह एक प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, एंकर और पहले पीढ़ी के उद्यमी हैं, जिन्होंने फ्रीस्टाइल रेसलिंग वर्ल्ड ऑफ भारत और क्लैश ऑफ बाहुबलीश की शुरूआत की है ।वहीं, मार्क बील, जो दक्षिण अफ्रीका के`च्ं्डॅ। के चेयरमैन हैं और पिछले 40 वर्षों में 50 से अधिक देशों में हजारों फ्रीस्टाइल रेसलिंग शो आयोजित कर चुके हैं, ने कहा मैं हमेशा से भारत आकर फ्रीस्टाइल रेसलिंग कराना चाहता था। भारत की संस्कृति, ताकत और जुनून दुनिया को प्रेरित करेगा। यह साझेदारी भारत और दुनिया के रेसलिंग जगत को जोड़ने का सेतु बनेगी ।उन्होंने भारत के टाइगर राप्ता, हिमाचल प्रदेश के विश्व हैवीवेट चौंपियन की भी सराहना की, जो भारत के गौरव का प्रतिनिधित्व करते हैं ।इस कार्यक्रम के पीछे राज सिंह और अनिता सिंह के का एकमात्र उद्देश्य भारत की प्राचीन कुश्ती परंपरा को पुनर्जीवित करना है ।एवं उन भारतीय पहलवानों को मंच देना, जिन्हें अब तक अवसर नहीं मिले हैं। साथ ही लखनऊ में फ्रीस्टाइल प्रोफेशनल रेसलिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना करने का भी विचार है, ताकि देशभर के युवा नई दिशा पा सकें।

आउटसोर्सिंग का नया रामराज्य, घोषणा 20,000 की, कटौती का खुला खेल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम अब सचमुच नए उत्तर प्रदेश की चमकती प्रयोगशाला बन चुका है। यह वह पावन भूमि है, जहाँ मुख्यमंत्री जी की कल्याणकारी घोषणाएँ कागज पर सोने के अक्षरों में लिखी जाती हैं, पर जमीन पर आते-आते कतरन बन जाती हैं। हमारे ऊर्जावान मुख्यमंत्री जी ने गरीबों के प्रति असीम करुणा दिखाते हुए, जब यूपीसीओएस उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का गठन करवाया, तो सपना था कि अब गरीब आउटसोर्स कर्मचारी को 20,000 महीना मिलेगा, समय पर सम्मान के साथ। यह सुनते ही ठेकेदारों की आँखें चमक उठीं। कौन जाने वह खुशी के आँसू थे या आगामी हिस्सेदारी की कल्पना के? लखनऊ नगर निगम के जोन-1 और 6 में सफाई का ठेका संभाल रही फर्म उज्जवल एसोसिएट के महान ठेकेदार श्री अक्षय अजीत ने मुख्यमंत्री की भावना को अपने व्यापारिक रामराज्य के अनुरूप ढाल लिया। मुख्यमंत्री जी बोले, वेतन दो! ठेकेदार ने सुना, वेतन लो, काट लो, जेब भर लो! सफाईकर्मी को न वेतन समय पर न पूरा। बल्कि, यहाँ एक नया प्रशासनिक नवाचार हुआ है, कर्मचारी को जबरन स्वैच्छिक छुट्टी पर भेजकर कटौती का नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। 20,000 का सपना? हाँ वह सपना ही रह गया, ठेकेदार की तिजोरी में सुरक्षित, ब्याज कमाता हुआ! जब गरीब कर्मचारी अपना हक माँगने जाता है, तो उसे टाल-मटोल का दिव्य दर्शन मिलता है। यह सब इतने सुचारु रूप से चल रहा है कि लगता है, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन का यह हास्य मॉडल है, जहाँ ठेकेदार और अंदरूनी अधिकारी मिलकर कल्याणकारी योजनाओं का मजाक उड़ाते हैं, और सफाईकर्मियों की बदहाली से अपनी रंगीन जिंदगी चमकाते हैं। लगता है, यही पार्टनरशिप नए उत्तर प्रदेश की ग्रोथ इंजन बन चुकी है! हम विनम्रतापूर्वक और भरपूर तंज के साथ मुख्यमंत्री जी से गुजारिश करते हैं, इस मेहनती ठेकेदार और उसके नगर निगम में बैठे सहयोगियों पर ऐसी कठोर कार्रवाई करें कि एहसास हो जाए, गरीबों का पैसा मारना अब नए उत्तर प्रदेश में गैर-सरकारी गतिविधि नहीं रहा! क्योंकि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो आपकी शानदार घोषणाएँ कागजों पर यूँ ही शोभा बढ़ाती रहेंगी, और ठेकेदारों के खाते विकास की नई ऊँचाइयों को छूते रहेंगे। हमें यकीन है कि आपकी घोषणाओं का सम्मान बचाने के लिए कुछ अभूतपूर्व किया जाएगा।

मुसलमानों को पार्टी से जोड़ो, मायावती का पदाधिकारियों को साफ संदेश, 2027 की चाभी हाथ से न जाए

लखनऊ (संवाददाता)। अभी भले यूपी के चुनाव में एक साल से ज्यादा का वक्त बचा है...लेकिन अभी से इसकी तैयारी में यूपी में साफ तौर पर देखने को मिल रही है, लगातार राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने खेमों को मजबूत करने में जुटी हुई है। लगातार जिस पार्टी को जो मजबूत नजर आ रहा है, उस कडी को जोड़ने में जुटी हुई है। फिर चाहे मायावती हो या फिर अखिलेश, या फिर हो बीजेपी हर पार्टी अपने को मजबूत करने में जुटी है। इसी कड़ी में अब बसपा सुप्रीमो मायावती अब मुस्लिम वोट बैंक पर फोकस करने जा रही हैं। उन्होंने बुधवार को लखनऊ में प्रदेशभर से मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन के मंडल स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उनके साथ आकाश आनंद और राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा भी शामिल हुए, खबरों की माने तो बैठक में करीब 450 लोग हिस्सा लिया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल समेत कई महिला पदाधिकारी भी मौजूद रही, बैठक में 75 जिला अध्यक्ष, 90 कोऑर्डिनेटर, 36 मुस्लिम भाईचारा कमेटी के अध्यक्ष और 36 बसपा के कोर कमेटी के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया, इसके अलावा पार्टी के वरिष्ठ मुस्लिम पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। बता दें कि पहले ये बैठक सिर्फ मुस्लिम भाईचारा कमेटी की थी, लेकिन बाद में इसमें बदलाव किया गया, अब बसपा के जिला अध्यक्षों को भी बुलाया गया है, एक तरफ जहां मुस्लिमों वोटरों को कैसे अपनी तरफ किया जाए इसपर चर्चा हुई तो वहीं दूसरी तरफ यूपी में होने वाली एसआईआर पर भी चर्चा की गई, बसपा के वोटरों का नाम कैसे वोटर लिस्ट में जुड़वाया जाए, पदाधिकारी को बूथ लेवल पर कैसे काम करें, इसे लेकर दिशा निर्देश जारी किए गए। दरअसल, 25 अक्टूबर को ही मायावती ने प्रदेश में मुस्लिम भाईचारा संगठन के मंडल प्रभारियों के नाम घोषित किए थे, अब वे सीधे इन्हें संगठनात्मक दिशा देने जा रही हैं, क्योंकि मायावती को भी अब समझ में आ गया है कि अगर यूपी की सत्ता की चाबी उन्हें दोबारा वापस चाहिए तो मुस्लम नाव पर सवार होना ही पड़ेगा। शायद यहीं वजह है कि मायावती की नजर अब मुस्लिम वोटरों पर टिक गई है।

बलरामपुर अस्पताल की ओटी में गिरने से मरीज की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में ऑपरेशन के दौरान ऑपरेशन थिएटर में गिरने से मरीज की मौत हो गई। मरीज का मोतियाबिंद का ऑपरेशन होना था। परिजनों ने ऑपरेशन के दौरान गलत दवाई देने और घटना के बाद मामले को दबाए रखने का आरोप लगाया। घटना मंगलवार को बलरामपुर अस्पताल में हुई। मृतक की पहचान कश्मीरी मोहल्ला के मैदान एलएच खां निवासी 55 साल के बादशाह हुसैन के रूप में हुई। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम नहीं कराया। अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए। कश्मीरी मोहल्ला के मैदान एलएच खां निवासी बादशाह हुसैन (55) जरदोजी कारीगर थे। कुछ दिनों से उनकी आंखों में समस्या थी। डॉक्टरों ने मोतियाबिंद बताकर ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी। वह मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए सोमवार को बलरामपुर अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में भर्ती हुए। उनके दामाद बहादुर शाह ने बताया कि सोमवार रात में ससुर को दो बोतल दवाई चढ़ाई गई। मंगलवार सुबह तीन बोतल दवाई चढ़ाई गई। वह सामान्य रूप से चल फिर रहे थे। दवाई चढ़ने के बाद वह पेशाब करने गए ।बहादुर ने बताया कि उसके बाद वह ससुर को ऑपरेशन के लिए आई ओटी लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर और स्टाफ ने ससुर को ओटी में कुर्सी पर बैठा दिया। उन्हें बाहर कर दिया। दामाद बहादुर शाह का आरोप है कि ऑपरेशन थिएटर के अंदर से धड़ाम से किसी भारी चीज के गिरने की आवाज आई। उन्होंने नर्स को भागते देखा तो पूछा कि क्या हुआ, लेकिन नर्स ने कुछ नहीं बताया। उन्हें ओटी के अंदर नहीं जाने दिया गया। इतनी देर में महिला नेत्र रोग डॉक्टर, चार-पांच नर्स और अन्य स्टाफ ओटी में अंदर भागते हुए पहुंचे। वह बाहर वेटिंग एरिया में ही दूसरे तीमारदारों के साथ बैठे रहे। करीब 10 से 15 मिनट बाद उन्हें बताया गया कि बादशाह कुर्सी से गिर पड़े थे। बहादुर ने बताया कि ससुर का चेहरा नीला पड़ा था।

सुहेलदेव आर्मी ने काकोरी थाना घेरा,प्रदर्शनकारी बोले- बुजुर्ग को पेशाब चटवाने के मामले में कार्रवाई नहीं हो रही

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के काकोरी क्षेत्र में बुजुर्ग को पेशाब चटवाने के मामले में सुहेलदेव आर्मी संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के कार्यकताओं ने न्याय की मांग को लेकर काकोरी थाने का घेराव किया। थाने के बाहर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मामले में पुलिस उचित कार्रवाई नहीं कर रही है। उचित कार्रवाई नहीं होने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। सुहेलदेव आर्मी संगठन के लोग पहले पीड़ित बुजुर्ग रामपाल से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उसके बाद थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक नहीं है। संगठन ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की है। थाने के बाहर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी के नेतृत्व में प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पीड़ित रामपाल रावत के साथ हुई घटना समाज और मानवता पर कलंक है। संविधान सभी को समान अधिकार देता है। कोई भी व्यक्ति किसी का हक नहीं छीन सकता है। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी को तत्काल जेल भेजा जाए और पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। थाने के बाहर हुए इस प्रदर्शन में कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सभी कड़ी कार्रवाई की मांग की। काकोरी थाना क्षेत्र में 20 अक्टूबर की रात बीमार रामपाल (65) शीतला माता मंदिर के सामने से गुजर रहे थे, तभी अचानक उन्हें दिक्कत महसूस हुई। तबीयत खराब होते ही रामपाल मंदिर की सीढ़ियों पर बैठ गए। तभी उनकी पेशाब निकल गई। यह देखते ही मंदिर के सामने की दुकान से स्वामीकांत बुजुर्ग के पास आया। उसने पहले बुजुर्ग से पेशाब चटवाई। फिर पानी से पूरा मंदिर धुलवाया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

सरकारी कार्य जो धीमी प्रगति वाले जिलों को चेतावनी

मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने की समीक्षा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास

पंत ने राजस्व और स्वास्थ्य विभागों की मंडलीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। जूम के माध्यम से हुई इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाएं सर्वोच्च प्राथमिकता और गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित की जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन जिलों की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष धीमी या खराब है, वे अपनी ग्रेडिंग में तत्काल सुधार लाएं, अन्यथा कार्रवाई तय है। बैठक में मंडलायुक्त ने कहा कि सरकार समाज के अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का भरपूर लाभ मिले। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता या औपचारिकता स्वीकार नहीं की जाएगी। हर विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करे। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन राधेश्याम, संयुक्त विकास आयुक्त के.के. सिंह, मंडल के सभी जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा से हुई। मंडलायुक्त ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा में होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में देरी या अनियमितता पाई जाने पर कार्रवाई तय है। उन्होंने निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकताओं से फोन पर फीडबैक अवश्य लिया जाए। मंडलायुक्त ने मुख्यमंत्री आवास योजना, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, कन्या विवाह योजना, स्वरोजगार योजना, मध्यान्ह भोजन, कुसुम योजना, कायाकल्प योजना और कन्या सुमंगला योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की ।उन्होंने कहा कि जनपदों में जिन योजनाओं की प्रगति खराब है, वे तुरंत सुधार करें। ग्राम पंचायतों में धनराशि का उपयोग नियमित रूप से हो और पंचायत सहायकों की नियुक्ति शीघ्र कराई जाए। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि तकनीकी समिति द्वारा सत्यापित जर्जर विद्यालयों का ध्वस्तीकरण तत्काल कराया जाए। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने अवगत कराया कि लखनऊ में गड्ढा मुक्त सड़कों की प्रगति 80ः है।

आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन से कर्मचारियों को बंधी उम्मीद

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष इं. हरि किशोर तिवारी व महामंत्री शिवबरन सिंह यादव द्वारा विज्ञप्ति के माध्यम से केन्द्रीय कैबीनेट द्वारा आठवे वेतन आयोग के गठन की अधिसूचना का स्वागत करते हुए विलम्ब ले लिया जाने वाला सही कदम बताया है। कर्मचारी नेता इं. हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि जनवरी 2025 में केन्द्र द्वारा के वतन आयोग के गठन निर्णय लिया गया था किन्तु लगभग 10 आह बाद उसके गठन की अधिसूचना तथा आयोग के चेयरमैन तथा सदस्यों की नियुक्ति के लिए स्वीकृति प्रदान की है। केन्द्रीय कैबिनेट के निर्णय की सूचना के अनुसार यह आयोग सिर्फ केन्द्रीय कर्मचारियों के वेतन भत्तो के लिए अपनी संस्तुति प्रस्तुत करेगा। जिसकी समय सीमा 18 माह होगी। हालाकि यह जनवरी 2026 से प्रभावी माना जायेगा। किन्तु इनमें केन्द्रीय कर्मचारियो के साथ पेंशनर्स का उल्लेख नही है, यह पूर्व के नोटीफिकेशन के अनुपालन के रूप में देखा जा रहा है। जिसके द्वारा दिसम्बर 2025 के उपरान्त अर्थात आठवें वेतन आयोग का लाभ पेंशनर्स को नहीं दिये जाने की आशंका साबित हो रही है। कर्मचारी नेताओ ने केन्द्रीय सरकार से वेतन आयोग को पेंशनर्स से सम्बंधित संस्तुति को भी शामिल किये जाने की मांग की गई है ।श्री तिवारी और श्री यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि आजाद

भारत के बाद से कभी भी ऐसा नही हुआ है कि सेवारत कर्मचारियो, सेवानिवृत्त के लिए वेतन आयोगों (केन्द्र व राज्यो) द्वारा एक साथ विचारण नही किया गया हो। किन्तु ऐसा नही किया जाना एक बडे आन्दोलन के रूप में देखा जा सकता है ।केन्द्रीय वेतन आयोग के गठन की घोषणा कें उपरान्त केन्द्रीय कर्मचारी और राज्य कर्मचारी संगठनों के संयुक्त संगठन एनजेसीए के प्रतिनिधि का. शिवगोपाल मिश्रा के नेतृत्व में राज्य कर्मचारियों के लिए आठवे वेतन आयोग के समक्ष टर्म्स आफ रेफरेन्स प्रेषित करते हुए केन्द्रीय वेतन आयोग से विचार किये जाने का अनुरोध किया गया था। जिसे केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार करते हुए आयोग को विचारण करने के निर्देश जारी किए गए थे। लेकिन ऐसा नही किए जाने से राज्य कर्मचारी अपने हक से वंचित रह जाएगें। परिषद के अतिरिक्त महामंत्री डॉ. नरेश कुमार ने आठवे वेतन आयोग के गठनका स्वागत करते हुए कहा कि महंगाई के दृष्टिगत अपनी रिपोर्ट शीघ्रतिशीघ्र प्रस्तुत करने की मांग की गई है। परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष इं. एन.डी. द्विवेदी ने पूर्व की भांति जनवरी 2026 जब तक वेतन आयोग की संस्तुतियो को लागू किया जाय तब तक अन्तरिम राहत लागू दिए जाने की मांग की है। परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेमकुमार सिंह, संयुक्त मंत्री अविनाश श्रीवास्तव, संगठन मंत्री संजीव गुप्ता, संयुक्त मंत्री विवेक कुमार उप महामंत्री अमिता त्रिपाठी, अशोक कुमार सिंह, सुभाषचन्द्र तिवारी, इं. डी. पी. सिंह, इं. श्रवण कुमार कुमार यादव,इं.राम सुरेश सिंह, पी.के. मिश्रा, अरूण कुमार सिंह आदि ने केन्द्रीय चुनाव आयोग से शीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की मांग की है।

शिया कालेज में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रति छात्राओं को किया जागरूक

लखनऊ (संवाददाता)। सांख्यिकी विभाग, शिया पी.जी. कॉलेज, लखनऊ द्वारा आयोजित मिशन शक्ति फेज-5 कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर संचालित मिशन शक्ति पहल का हिस्सा है, जिसमें छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर व जागरूक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. नाजिया नकवी द्वारा की गई, जिन्होंने महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से सामाजिक बंधनों से मुक्त होकर अपनी पहचान स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मिशन शक्ति फेज-5 की नोडल अधिकारी, डॉ0 सीमा राणा ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि समाज में लैंगिक समानता स्थापित होना और शिक्षा को महिलाओं की उन्नति का सबसे बड़ा साधन बताया। इस कार्यक्रम में लगभग 82 छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 12 छात्राओं ने सक्रिय रूप से अपने विचार व्यक्त किए। चर्चा के दौरान समान शिक्षा अधिकार, जागरूकता के महत्व, लैंगिक रूढ़ियों को चुनौती देने और सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने जैसे विषय शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति की सदस्य डॉ. कनीज मेहदी जैदी, डॉ. नूरीन जैदी, डॉ. फराह तजीन और डॉ0 नाजिया नकवी तथा छात्रायें उपस्थित रहीं। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से छात्राओं में आत्मविश्वास जागृत करने और उनके अधिकारों तथा शिक्षा के महत्व को समझाने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हुआ, जिसने मिशन शक्ति के उद्देश्य एक समतामूलक एवं समर्थ महिला समाज निर्माण को मजबूती प्रदान की।

ताजा खबर...

उखड़ी सड़कों से परेशान महिलाओं ने नगर निगम घेरा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय का साउथ सिटी वूमेन एसोसिएशन ने घेराव किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने हाथों में पोस्टर लेकर नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। साउथ सिटी की बदहाल सड़क, सफाई, सुरक्षा समेत अन्य मुद्दों को लेकर गुस्सा जताया। महिलाओं ने कहा कि लखनऊ कागजों में स्मार्ट सिटी है। प्रदर्शन में शामिल मीना अवनीश ने कहा कि साउथ सिटी पूरी तरीके से बदहाल है। 2 सालों से कूड़ा नहीं उठा है। सड़कों पर झाड़ू महीने में एक या दो बार ही लगती है। लंबे समय से हम लोग नगर निगम से सफाई व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आज हम लोगों ने नगर निगम पर प्रदर्शन किया, जिसके बाद महापौर से मुलाकात हुई। मेयर ने आश्वासन दिया है सफाई हो जाएगी। टूटी सड़कें बनवाने के लिए मना कर दिया है। सड़कों के लिए बजट की बात कह कर इनकार कर दिया। मीना अवनीश ने कहा कि 2 सालों से शिकायत दे रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अनीता सिंह ने कहा कि साउथ सिटी जैसी कॉलोनी का बुरा हाल है। लखनऊ नगर निगम कोई भी सुनवाई नहीं कर रहा है। पूरा इलाका परेशान है। कहने को लखनऊ स्मार्ट सिटी है। स्वच्छता में तीसरा रैंक मिला है। मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही है। हम लोग हाथ जोड़कर अधिकारियों से विनती करते हैं कि वह हमारे इलाके में आए और वहां की स्थिति देखें। टूटी हुई सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है।

गन्ना किसानों को योगी का बड़ा तोहफा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2025-26 पेराई सत्र के लिए गन्ने की कीमतों में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की बुधवार को घोषणा की और इसे किसान हितैषी एक बड़ा फैसला बताया जिससे लाखों किसानों को लाभ होगा। उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि अब अगेती गन्ना प्रजाति का मूल्य 400 रुपये प्रति कुन्तल तथा सामान्य प्रजाति का मूल्य 390 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस वृद्धि से गन्ना किसानों को करीब 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान होगा ।श्श मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नीत सरकार ने चौथी बार गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी की है। अधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों की आमदनी में वृद्धि करेगा बल्कि प्रदेश के ग्रामीण अर्थतंत्र में नई ऊर्जा भी भरेगा। चौधरी ने पत्रकारों से कहा, किसानों के परिश्रम का सम्मान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गन्ना किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ हैं। गन्ना हमारे ग्रामीण जीवन एवं अर्थव्यवस्था का आधार है और हर किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य सही समय पर उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है ।श्श उन्होंने कहा, गन्ना किसानों को अब तक 2,90,225 रुपये करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो वर्ष 2007 से 2017 के बीच समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकारों ने किसानों को 1,47,346 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया।

महापौर ने जनता दरबार में सुनीं 200 से अधिक शिकायतें

लखनऊ (संवाददाता)। नगर निगम मुख्यालय में बुधवार को आयोजित जनता दरबार में महापौर सुषमा खर्कवाल ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए तत्काल निर्देश जारी किए। इस मौके पर माननीय कार्यकारिणी की उपाध्यक्ष श्रीमती चरणजीत गांधी जी एवं माननीय पार्षदगण भी उपस्थित रहे। इस दौरान नगर निगम से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे ।महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल के समक्ष लगभग 200 से अधिक नागरिकों ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। इनमें अतिक्रमण, साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, मार्गप्रकाश (स्ट्रीट लाइट), टैक्स व भवन संबंधित समस्याएं प्रमुख रहीं। महापौर ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही तलब किया और आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार में कई ऐसे प्रकरण सामने आए जिनमें त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता थी। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त सभी शिकायतों का तीन कार्य दिवस के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों के समाधान में लापरवाही या देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर आयुक्त ने एबीसी एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर का किया निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ के नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुधवार को जरहरा स्थित एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर के निमार्णाधीन ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की और कार्यों को तीव्रगति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पशु जन्म नियंत्रण से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स नगर निगम की प्राथमिकता में हैं और इनका समयबद्ध पूरा होना आवश्यक है ।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि जरहरा स्थित एबीसी ट्रेनिंग सेंटर का निर्माण शहर में आवारा पशुओं के नियंत्रण और उनके वैज्ञानिक देखभाल हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप और पारदर्शिता के साथ पूरे किए जाएं ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की गुणवत्ता संबंधी शिकायत न हो ।गोपाष्टमी के पावन अवसर पर नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार ने जरहरा स्थित राधा उपवन गौशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और गौशाला में रह रहे गोवंशों को गुड़ खिलाया।

सात नवम्बर तक इंतजार, दस से कार्यबंदी को निकाय कर्मी तैयार

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश के निकाय कर्मचारियो की प्रदेश स्तरीय सेवा सम्बंधी व अन्य मांगो के साथ साथ अकेन्द्रियत सेवानियमावली, दैनिक वेतन, संविदा तथा तदर्थ धारा 108 के कार्यरत कर्मचारियो का विनियमतीकरण,कैशलेस ईलाज व्यवस्था,पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आन्दोलन जारी है। प्रदेश अध्यक्ष शशि मिश्रा के अनुसार महासंघ के इस क्रमिक अनशन में 24 अक्टूबर से क्रम वार प्रदेश ईकाइयो की भागेदारी हो रही परन्तु खेद है कि प्रदेश सरकार व शासन द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा जिससे प्रदेश के निकाय क्रमिको में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने कहाकि सात नवम्बर तक महासंघ सरकारी निर्णय का इंतजार करेगा वरना दस से कार्यबंदी आन्दोलन शुरू किया जाएगा। आज क्रमिक अनशन 29 अक्टूबर को नगर निगम गाजियाबाद व नगर पालिका हांथरस के साथी राकेश अग्निहोत्री कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में जयदेव कौशिक, संजय वर्मा,प्रदीप शर्मा,मनीश कुमार,संजप कुमार शर्मा व विजय स्वर्णकार बैठे। 30 अक्टूबर को नगर निगम मेरठ के साथी बैठेंगे ।इस अवसर पर लखनऊ ईकाई के सभी सहयोगी संगठन के साथी शशिकुमारमिश्र प्रदेश अध्यक्ष, आन्नद मिश्र, रामकुमार रावत,सै.कैसर रजा, संतोष श्रीवास्तव, कबीर दास,विजय यादव, शैलेन्द्र तिवारी,जितेन्द्र सिद्धार्थ, नितिन त्रिवेदी,सुनीता भट्ट ,बिन्दू सिंह, अनिल दुबे,अनिल शुक्ल, राजेन्द्र कुमार,अजय द्विवेदी,दिग्विजय सिंह, कुवंर जय सिंह, अमरेन्द्र दीक्षित, श्रीधर,सुधाकर मिश्र,संजय श्रीवास्तव, शिवशंकर भारती,सूरज, विजेन्द्र कुमार,आकाश गुप्ता,शिवशंकर राय,संजय चन्द्रा आदि उपस्थित होकर समर्थन व्यक्त किया।

मंत्र भारत

लखनऊ-गुरूवार,30 अक्टूबर 2025

सम्पादकीय

कसौटी पर एसआईआर

उम्मीद के अनुरूप चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दूसरे चरण की विधिवत शुरूआत कर दी है। इस चरण में देश के नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के तकरीब 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिये केवल तीन माह का समय दिया है। लेकिन एक बात तो तय है कि बिहार में एसआईआर पर लंबे समय से चले विवादों के मद्देनजर, इस प्रक्रिया को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। खासकर उन राज्यों में जहां विपक्षी दल शासित सरकारें हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व महाराष्ट्र से ऐसी प्रतिक्रिया आनी भी शुरू हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिये जरूरी है कि पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में निश्चित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। वहीं अयोग्य मतदाता को हटाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य को लेकर कोई विवाद नहीं माना जा सकता। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रिया के मद्देनजर पूरी प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही तत्काल सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इस बाबत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि आगामी एसआईआर का लक्ष्य मतदाता सूचियों की लंबे समय से लंबित राष्ट्रव्यापी सफाई करना है। ऐसे व्यापक संशोधन देश में समय-समय पर हुए हैं और पिछला संशोधन दो दशक पहले हुआ था। जाहिर बात है कि इस लंबे अंतराल के दौरान मतदाता सूचियों में कई विसंगतियां और त्रुटियां उत्पन्न हो गई होंगी। आयोग ने उदाहरण देते हुए कहा है कि प्रशांत किशोर बिहार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में सूचीबद्ध हैं। देश में निष्पक्ष चुनाव के लिये इन सूचियों का प्रमाणीकरण अपेक्षित है। लेकिन इसके बावजूद विपक्ष दलों की आशंकाओं की अनदेखी भी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही लोगों में लोकतंत्र की चुनावी प्रक्रिया के प्रति उत्साह बना रहना भी जरूरी है। दरअसल, कांग्रेस, माकपा, तृणमूल कांग्रेस आदि दलों को आशंका है कि एसआईआर का इस्तेमाल अवैध मतदाताओं की पहचान की आड़ में लक्षित वास्तविक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के लिये हो सकता है। वैसे बिहार में हुई कवायद के बाद ज्ञात नहीं है कि यह प्रक्रिया कितने अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने में सफल रही है। निस्संदेह, चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा उचित प्रक्रिया-परिश्रम और जनता के विश्वास पर ही टिकी है। निर्विवाद रूप से देश में चुनाव कराने वाली शीर्ष संवैधानिक संस्था की ईमानदारी और निष्पक्षता दोषमुक्त होनी ही चाहिए। चुनाव आयोग को व्यापक सत्यापन, इस प्रक्रिया से जुड़े तमाम हितधारकों के साथ विमर्श और वास्तविक मतदाताओं के मताधिकार को अक्षुण्ण बनाने हेतु एक ठोस निवारण तंत्र विकसित करने की जरूरत है। विपक्षी दलों द्वारा वोट चोरी और अन्य अनियमितताओं के कथित आरोपों का खंडन ठोस सबूतों के साथ किया जाना चाहिए। ताकि जनता में इस प्रक्रिया को लेकर भरोसा कायम रह सके। वैसे एसआईआर के दूसरे चरण का सकारात्मक पक्ष यह जरूर है कि आयोग ने प्रक्रिया के लिये पर्याप्त समय दिया है ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी के आक्षेपों से बचा जा सके। निश्चित रूप से आधार कार्ड को सहायक दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का लाभ प्रक्रिया के सरलीकरण में मिलेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सामने आई चुनौतियां इस दूसरे चरण की प्रक्रिया में मार्गदर्शक का कार्य करेंगी। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दूसरे चरण में शामिल राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों को वैसी परेशानी का सामना न करना पड़े, जैसी कि बिहार के लोगों में सामने आई थी। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि योग्य मतदाता न छूटे और कोई फर्जी मतदाता लिस्ट में शामिल न होने पाए। यहां उल्लेखनीय है कि जिन राज्यों में दूसरे चरण के दौरान मतदाता सूचियों को गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से गुजरना है, उनमें से कुछ में अगले साल चुनाव होने हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु व पुडुचेरी शामिल हैं। बहरहाल, कोशिश हो कि न ही जनता को परेशानी उठानी पड़े और न ही चुनाव कर्मियों में भ्रम जैसी स्थिति बनी रहे।

मध्य एशिया में भारत की पकड़ ढीली हुई, खाली करना पड़ा ताजिकिस्तान में स्थित एयरबेस

हालाँकि वहाँ भारत की कोई स्थायी वायुसेना तैनाती नहीं थी, लेकिन दो-तीन हेलीकॉप्टर जो भारत ने ताजिकिस्तान को भेंट किए थे, वह भारतीय वायुसेना के कर्मियों द्वारा मानवतावादी और राहत अभियानों में संचालित किए जाते थे। भारत अब ताजिकिस्तान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण आयनी (अटल्ल्र) एयरबेस का संचालन नहीं करता, जिसे उसने 2002 से विकसित और संयुक्त रूप से संचालित किया था। यह जानकारी हाल ही में सार्वजनिक हुई है, किंतु सूत्रों के अनुसार भारत ने 2022 में ही इस बेस से पूरी तरह वापसी कर ली थी। हम आपको बता दें कि भारत और ताजिकिस्तान के बीच यह सहयोग एक लीज अनुबंध पर आधारित था, जिसकी अवधि 2021 में समाप्त हो गयी थी। ताजिकिस्तान ने संभवतः रूस और चीन के दबाव के कारण इसे आगे बढ़ाने से इंकार कर दिया था। इसके बाद भारत ने अपने सैन्य कर्मियों और उपकरणों को वहां से हटा लिया। हालाँकि वहाँ भारत की कोई स्थायी वायुसेना तैनाती नहीं थी, लेकिन दो-तीन हेलीकॉप्टर जो भारत ने ताजिकिस्तान को भेंट किए थे, वह भारतीय वायुसेना के कर्मियों द्वारा मानवतावादी और राहत अभियानों में संचालित किए जाते थे। कभी-कभी र४-30 टङ्कलड़ाकू विमानों की अस्थायी तैनाती भी वहां की गई थी। हम आपको बता दें कि आयनी एयरबेस (जिसे गिस्सार मिलिट्री एयरोड्रोम-ऋ्टअ भी कहा जाता है) ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे से पश्चिम में स्थित है। इसे भारत ने लगभग दो दशक तक विकसित किया और इसके विस्तार पर लगभग 100 मिलियन डॉलर खर्च किए। यह वही ठिकाना था जहाँ से भारत ने 2001 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद अपने नागरिकों की निकासी में भी सहायता ली थी। भारत ने इस बेस को अपनी सामरिक पहुँच के रूप में उपयोग किया था, विशेषकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान की दिशा में। एयरबेस भारत की एकमात्र ऐसी संपत्ति थी जिससे वह अफगान मामलों और उत्तरी दिशा के रणनीतिक परिदृश्य

पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस और वर्तमान एनएसए अजीत डोभाल जैसे रणनीतिक मस्तिष्कों ने इसे भारत की फॉरवर्ड पॉलिसी का हिस्सा बनाया था। इसके 3,200 मीटर लंबे रनवे ने भारतीय वायुसेना को यह क्षमता दी थी कि वह न केवल अफगानिस्तान बल्कि पाकिस्तान के उत्तरी ठिकानों (जैसे पेशावर) तक अपनी पहुंच बना सके। हम आपको बता दें कि ताजिकिस्तान की सुरक्षा और आर्थिक संरचना रूस पर काफी हद तक निर्भर है। रूस के 201वें सैन्य डिवीजन की वहाँ स्थायी तैनाती है और चीन ने भी ताजिकिस्तान में सीमा-पुलिस और खुफिया ठिकानों के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत की है। ऐसे में भारत का एक स्वतंत्र सैन्य ठिकाना, रूस-चीन दोनों के लिए सामरिक असुविधा बन गया था। रूस नहीं चाहता था कि भारत या कोई अन्य गैर-क्षेत्रीय शक्ति मध्य एशिया में स्वतंत्र सैन्य उपस्थिति बनाए रखे। दूसरी ओर, चीन ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच के वाखान कॉरिडोर को अपनी पश्चिमी सुरक्षा-पट्टी के रूप में देखता है। इस क्षेत्र में भारतीय गतिविधि, उसे स्ट्रैटेजिक इनक्लोजमेंट का आभास देती थी। देखा जाये तो आयनी एयरबेस से भारत की वापसी का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि अब भारत की नॉर्थ-वेस्टर्न डिफेंस एक्सटेंशन पूरी तरह समाप्त हो गई है। पाकिस्तान के साथ संभावित दो-फ्रंट स्थिति (पूर्वी और पश्चिमी मोर्चा) में भारत को जो सामरिक बढ़त मिल सकती थी, वह अब खो चुकी है। अब भारत की वायुसेना को कश्मीर और लद्दाख के बेसों से ही पश्चिमी अभियानों की योजना बनानी होगी, जबकि ताजिकिस्तान से ऑपरेशन की स्थिति में पाकिस्तान को पश्चिम से दबाव झेलना पड़ता। आयनी एयरबेस से वापसी यह भी दशार्ती है कि भारत की मध्य एशिया में भू-आर्थिक पहुँच सीमित है। चाबहार पोर्ट और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांजिट कॉरिडोर (क्छरळ्उ) जैसी परियोजनाओं के बावजूद भारत ताजिकिस्तान या उज्बेकिस्तान तक कोई सुरक्षित लॉजिस्टिक चैनल स्थापित नहीं कर सका। इस विफलता ने भारत को क्षेत्रीय गठबंधनों (रउड, एअएव) में एक सीमित भागीदार बना दिया है, जबकि चीन अपने ड्री'३ ल्ल्री फ्क्षं क्ल्ल३ ३५ी के जरिए वहाँ स्थायी प्रभाव बना रहा है। आगे का रास्ता क्या हो, यदि इसको देखें तो सबसे पहले तो भारत को इस घटना को पराजय के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक पुनर्संरचना के अवसर के रूप में देखना चाहिए। भारत ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ संयुक्त प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और मानवीय परियोजनाओं के माध्यम से अपनी उपस्थिति बनाए रख सकता है। इंटेलिजेंस साझेदारी और काउंटर-टेररिज्म सहयोग के नए प्रारूप भारत को पुनः प्रभावी भूमिका दे सकते हैं। साथ ही, ईरान के माध्यम से वैकल्पिक पहुँच मार्ग (जैसे चाबहार से मध्य एशिया तक कॉरिडोर) को त्वरित गति देनी होगी।

देखा जाये तो भारत की आयनी एयरबेस से वापसी, सिर्फ. एक कूटनीतिक या प्रशासनिक घटना नहीं है, यह दक्षिण और मध्य एशिया की भू-राजनीतिक संरचना में एक गहरा परिवर्तन है। यह निर्णय ऐसे समय सामने आया है जब मध्य एशिया, विशेष रूप से ताजिकिस्तान, रूस और चीन के बढ़ते प्रभाव में है और भारत की वहाँ की सामरिक पकड़ कमजोर होती जा रही है। हम आपको बता दें कि आयनी एयरबेस भारत की कनेक्ट सेंट्रल एशिया नीति का केंद्रबिंदु था। 2001 में अफगानिस्तान संकट के बाद जब पाकिस्तान के रास्ते भारत की पहुँच अवरुद्ध थी, तब ताजिकिस्तान में यह में सक्रिय रह सकता था। पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस और वर्तमान एनएसए अजीत डोभाल जैसे रणनीतिक मस्तिष्कों ने इसे भारत की फॉरवर्ड पॉलिसी का हिस्सा बनाया था। इसके 3,200 मीटर लंबे रनवे ने भारतीय वायुसेना को यह क्षमता दी थी कि वह न केवल अफगानिस्तान बल्कि पाकिस्तान के उत्तरी ठिकानों (जैसे पेशावर) तक अपनी पहुंच बना सके। हम आपको बता दें कि ताजिकिस्तान की सुरक्षा और आर्थिक संरचना रूस पर काफी हद तक निर्भर है। रूस के 201वें सैन्य डिवीजन की वहाँ स्थायी तैनाती है और चीन ने भी ताजिकिस्तान में सीमा-पुलिस और खुफिया ठिकानों के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत की है। ऐसे में भारत का एक स्वतंत्र सैन्य ठिकाना, रूस-चीन दोनों के लिए सामरिक असुविधा बन गया था। रूस नहीं चाहता था कि भारत या कोई अन्य गैर-क्षेत्रीय शक्ति मध्य एशिया में स्वतंत्र सैन्य उपस्थिति बनाए रखे। दूसरी ओर, चीन ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच के वाखान कॉरिडोर को अपनी पश्चिमी सुरक्षा-पट्टी के रूप में देखता है। इस क्षेत्र में भारतीय गतिविधि, उसे स्ट्रैटेजिक इनक्लोजमेंट का आभास देती थी। देखा जाये तो आयनी एयरबेस से भारत की वापसी का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि अब भारत की नॉर्थ-वेस्टर्न डिफेंस एक्सटेंशन पूरी तरह समाप्त हो गई है। पाकिस्तान के साथ संभावित दो-फ्रंट स्थिति (पूर्वी और पश्चिमी मोर्चा) में भारत को जो सामरिक बढ़त मिल सकती थी, वह अब खो चुकी है। अब भारत की वायुसेना को कश्मीर और लद्दाख के बेसों से ही पश्चिमी अभियानों की योजना बनानी होगी, जबकि ताजिकिस्तान से ऑपरेशन की स्थिति में पाकिस्तान को पश्चिम से दबाव झेलना पड़ता। आयनी एयरबेस से वापसी यह भी दशार्ती है कि भारत की मध्य एशिया में भू-आर्थिक पहुँच सीमित है। चाबहार पोर्ट और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांजिट कॉरिडोर (क्छरळ्उ) जैसी परियोजनाओं के बावजूद भारत ताजिकिस्तान या उज्बेकिस्तान तक कोई सुरक्षित लॉजिस्टिक चैनल स्थापित नहीं कर सका। इस विफलता ने भारत को क्षेत्रीय गठबंधनों (रउड, एअएव) में एक सीमित भागीदार बना दिया है, जबकि चीन अपने ड्री'३ ल्ल्री फ्क्षं क्ल्ल३ ३५ी के जरिए वहाँ स्थायी प्रभाव बना रहा है। आगे का रास्ता क्या हो, यदि इसको देखें तो सबसे पहले तो भारत को इस घटना को पराजय के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक पुनर्संरचना के अवसर के रूप में देखना चाहिए। भारत ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ संयुक्त प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और मानवीय परियोजनाओं के माध्यम से अपनी उपस्थिति बनाए रख सकता है। इंटेलिजेंस साझेदारी और काउंटर-टेररिज्म सहयोग के नए प्रारूप भारत को पुनः प्रभावी भूमिका दे सकते हैं। साथ ही, ईरान के माध्यम से वैकल्पिक पहुँच मार्ग (जैसे चाबहार से मध्य एशिया तक कॉरिडोर) को त्वरित गति देनी होगी। बहरहाल, आयनी एयरबेस का खोना भारत की सामरिक सीमाओं की याद दिलाता है कि केवल निवेश और तकनीक से भू-राजनीति नहीं चलती; इसके लिए स्थायी गठबंधन, राजनीतिक प्रभाव और लॉजिस्टिक क्षमता आवश्यक है।

देश का भविष्य अल्प-पोषित ना हो

संजीव ठाकुर

बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति होते हैं, क्योंकि वही आने वाले कल के नागरिक, निमार्ता और राष्ट्र के सशक्त स्तंभ बनते हैं। किंतु यदि वही बच्चे कमजोर, कुपोषित और अविकसित रह जाएँ, तो सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की कल्पना मात्र भ्रम बनकर रह जाएगी। आज भारत में बच्चों का कुपोषण और बाल विवाह जैसी सामाजिक विसंगतियाँ देश के विकास पर गहरे प्रश्नचि खड़े कर रही हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार भारत में पाँच वर्ष से कम आयु के लगभग 18.7ः बच्चे गंभीर रूप से वेस्टिंग यानी तीव्र कुपोषण के शिकार हैं, जो विश्व में सबसे अधिक दरों में से एक है। यूनिसेफ की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि भारत के लगभग हर चौथे बच्चे को गंभीर खाद्य गरीबी का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ यह है कि 25ः बच्चों को विविध और पोषक आहार उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे बच्चे न केवल कमजोर शरीर लेकर बड़े होते हैं बल्कि मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से भी पिछड़ जाते हैं। यह स्थिति भविष्य के नागरिकों की गुणवत्ता और देश की कार्यक्षमता दोनों को प्रभावित करती है। कुपोषण की जड़ें केवल भोजन की कमी में नहीं, बल्कि असमान संसाधन वितरण, गरीबी, शिक्षा की कमी और सरकारी-सामाजिक तंत्र की कमजोर समन्वय नीति में भी छिपी हैं। भारत सरकार द्वारा पोषण अभियान, मिड-डे मील, आंगनवाड़ी केंद्रों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास अवश्य किए जा रहे हैं, परंतु परिणाम अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पा रहे। सवाल यह उठता है कि जब अरबों रुपये स्वास्थ्य और विकास योजनाओं पर खर्च किए जा रहे हैं, तो फिर भी बच्चे क्यों कुपोषित हैं? जवाब स्पष्ट है कृ योजनाओं की जमीनी निगरानी और जनसहभागिता का अभाव। कुपोषण के समानांतर बाल विवाह की समस्या भी उतनी ही गंभीर है। 2006 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लागू होने के बावजूद, यूनिसेफ के अनुसार भारत में आज भी लगभग 23ः महिलाएँ 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह के बंधन में बंध जाती हैं। दक्षिण के शिक्षित राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु भी इस सूची में शीर्ष पर हैं। यह विडंबना दशार्ती है कि केवल शिक्षा की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज में मानसिक-सांस्कृतिक जागरूकता आवश्यक है। बाल विवाह न केवल एक लड़की की शिक्षा और आत्मनिर्भरता छीन लेता है, बल्कि उसके शारीरिक और मानसिक विकास को भी बाधित करता है। गर्भधारण के दौरान कुपोषण और स्वास्थ्य-जोखिम बढ़ जाता है, जो अगले पीढ़ी तक दुर्बलता को पहुँचाता है। सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्षय पात्र फाउंडेशन जैसे संगठनों ने स्कूल मध्या भोजन योजना के माध्यम से लाखों बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया है। सेव द चिल्ड्रन, स्माइल फाउंडेशन और चाइल्डलाइन जैसी संस्थाएँ पोषण, शिक्षा और बाल-सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चला रही हैं। किंतु केवल कुछ संगठनों के प्रयास पर्याप्त नहीं कृ आवश्यकता है एक व्यापक सामाजिक आंदोलन की, जहाँ हर नागरिक अपनी भूमिका को समझे और समाज अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करे। कुपोषण और बाल विवाह की समस्या एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी है। जब कोई बच्ची अल्पायु में विवाह करती है, तो उसका शारीरिक विकास अधूरा रहता है, गर्भावस्था में उसे उचित पोषण नहीं मिल पाता और जन्म लेने वाला बच्चा भी कमजोर होता है। इस प्रकार कुपोषण का चक्र पीढ़ी दर पीढ़ी चलता जाता है। इसे तोड़ने के लिए सरकार, समाज और नागरिककृसभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। आज समय है कि पोषण और शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा न मानकर सामाजिक दायित्व बनाया जाए। स्कूलों, पंचायतों और आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण-जागरूकता के केंद्रों में बदला जाए। स्थानीय स्तर पर पोषण-समिति बनाकर बच्चों के आहार, स्वास्थ्य जांच और विकास की नियमित निगरानी की जाए। माता-पिता को भी यह सिखाना होगा कि बच्चे को केवल पेट भरना पर्याप्त नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार देना आवश्यक है। भारत के लिए यह चिंताजनक है कि वैश्विक भूख सूचकांक में 2024 में वह 125 देशों में 111वें स्थान पर पहुँच गया, जबकि पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल इससे आगे हैं। यह संकेत है कि यदि हमने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर समुचित ध्यान नहीं दिया, तो आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक स्वास्थ्य दरकता जाएगा। समाधान केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जनजागरूकता, महिला सशक्तिकरण, स्थानीय भागीदारी और सामुदायिक पहल के बिना यह जंग अधूरी है। कुपोषण और बाल विवाह जैसे मुद्दे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उन नन्हीं आँखों का सवाल हैं जिनमें कल का भारत झलकता है। यदि हम आज इन बच्चों को सशक्त, शिक्षित और पोषित नहीं बना सके, तो कल का भारत दुर्बल और दिशाहीन होगा।

आरएसएस एक सांस्कृतिक आधिपत्यवादी संस्था कैसे बना

आनंद तेलतुंबडे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जातिवाद को बढ़ावा देने और हाशिये पर पड़े लोगों को बाहर रखने के बावजूद दुनिया का सबसे शक्तिशाली सिविल सोसाइटी संगठन बन गया है। आरएसएस ने एक विशाल कैडर नेटवर्क और संघ परिवार इकोसिस्टम बनाया, जिससे उसे भाजपा के जरिए जमीनी स्तर पर और राजनीतिक नियंत्रण मिला। सामाजिक कार्य, दिखावटी समावेश और संस्थागत कब्जे के जरिए, इसने हिंदू एकता की आड़ में ब्राह्मणवादी विचारधारा फैलाई। राज्य की नाकामियों और सांप्रदायिक डर का फायदा उठाकर, आरएसएस लोकतंत्र का इस्तेमाल सत्तावादी और बहिष्कारवादी शक्ति को मजबूत करने के लिए करता है। केशव बलिराम हेडगेवार, जो एक देशस्थ ब्राह्मण थे, द्वारा 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), जो भारत की आबादी के मुश्किल से 3 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाला एक ब्राह्मणवादी संगठन था, एक चौंकाने वाला विरोधाभास दिखाता है। औपनिवेशिक शक्ति के साथ सहयोग, संविधान का विरोध, जातिवाद को बढ़ावा देने और हाशिये पर पड़े लोगों को बाहर रखने के अपने इतिहास के बावजूद, यह दुनिया का सबसे शक्तिशाली सिविल सोसाइटी संगठन बन गया है, जो बीजेपी के जरिए जबरदस्त राजनीतिक नियंत्रण रखता है। इस विरोधाभास को समझाने के लिए आरएसएस की रणनीतिक समझ, संरचनात्मक फायदे और वैचारिक हेरफेर को समझना जरूरी है, जिसने इसे बहु-जातीय लोकतंत्र में ब्राह्मणवादी वर्चस्व बनाए रखने में सक्षम बनाया है। आरएसएस की मुख्य ताकत उसकी

असाधारण संगठनात्मक संरचना में निहित है, जिसे लगभग एक सदी में बेहतर बनाया गया है। शाखा प्रणाली रोजाना की सभाओं का एक व्यापक नेटवर्क बनाती है जहाँ सदस्य शारीरिक व्यायाम, वैचारिक प्रशिक्षण और समुदाय निर्माण में भाग लेते हैं। यह पदानुक्रमित संरचना-स्थानीय शाखाओं से लेकर क्षेत्रीय प्रांतों (जोन) से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक-वैचारिक एकरूपता, अनुशासन और तेजी से लामबंदी की क्षमता सुनिश्चित करती है जिसकी बराबरी भारत में कोई अन्य सिविल सोसाइटी संगठन नहीं कर सकता। आरएसएस तुरंत राजनीतिक लामबंदी के बजाय धैर्यपूर्वक, लंबे समय तक कैडर बनाने के जरिए काम करता है। सदस्यों को बचपन से ही रोजाना की शाखाओं के जरिए दीक्षित किया जाता है, जिससे जीवन भर की प्रतिबद्धता और वैचारिक वफादारी पैदा होती है। यह अनुशासित स्वयंसेवक आधार, जिसकी संख्या लाखों में होने का अनुमान है, राजनीतिक और सामाजिक लामबंदी के लिए एक बेजोड़ मानव संसाधन प्रदान करता है। संगठन की पदानुक्रमित अनुशासन बनाए रखने की क्षमता, जबकि स्वैच्छिक भागीदारी के जरिए काम करने का दिखावा करते हुए, केंद्रीकृत ब्राह्मणवादी नियंत्रण बनाए रखते हुए लोकतांत्रिक जमीनी समर्थन का भ्रम पैदा करती है। आरएसएस की खासियत यह है कि उसने सहयोगी संगठनों (संघ परिवार) का एक बड़ा परिवार बनाया है जो भारतीय समाज के लगभग हर सेक्टर में फैला हुआ है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप), बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (छात्र विंग), (लेबर विंग), भारतीय किसान संघ (किसान), वनवासी कल्याण आश्रम (आदिवासी), और दर्जनों अन्य संगठनों के जरिए, आरएसएस केंद्रीकृत वैचारिक नियंत्रण बनाए रखते हुए अलग-अलग समुदायों का प्रतिनिधित्व करने का दिखावा करता है। यह मल्टी-ऑर्गेनाइजेशनल ढांचा आरएसएस को यह दावा करने की अनुमति देता है कि वह समाज के सभी वर्गों की सेवा कर रहा है, जबकि यह भी सुनिश्चित करता है कि नेतृत्व और वैचारिक दिशा मजबूती से ब्राह्मणों के हाथों में रहे। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की राजनीतिक सफलता दिखाती है कि यह संगठनात्मक इकोसिस्टम चुनावी प्रभुत्व में कैसे बदलता है। आरएसएस, बीजेपी को एक बेजोड़ संगठनात्मक इंफ्रास्ट्रक्चर, कैडर बेस और वैचारिक वैधता प्रदान करता है, जिससे एक सहजीवी संबंध बनता है जहाँ राजनीतिक शक्ति संगठनात्मक विस्तार को मजबूत करती है और इसके विपरीत भी। खंडित विपक्षी पार्टियों पर यह संरचनात्मक लाभ आरएसएस-बीजेपी की लगातार चुनावी सफलता को समझाने में मदद करता है, इसके बावजूद कि उनकी नीतियां अक्सर उन्हीं समुदायों के भौतिक हितों को नुकसान पहुंचाती हैं जो उन्हें वोट देते हैं।

छठ पर्व में राजनीति की घुसपैठ

पूर्वांचलियों के लिए महापर्व समान छठ पूजा चार दिनों की धूमधाम के साथ संपन्न हुई। बीते कुछ बरसों में बिहार और उत्तरप्रदेश के अलावा दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में भी छठ की धूम दिखने लगी है, क्योंकि इन राज्यों में बड़ी संख्या में रोजगार, शिक्षा या व्यवसाय के लिए पूर्वांचल से लोग आकर बस गए हैं। छठ पर्व में 36 घंटे का कठिन व्रत किया जाता है और व्रतियों के अलावा पूरा परिवार स्वच्छता पर खास ध्यान देता है। इस पर्व में नदियों की महत्ता, खेती का सम्मान नए सिरे से रेखांकित किया जाता है। छठ का प्रसाद घर पर ही बनता है, और इसी का वितरण सबमें होता है। अर्घ्य देने के वक्त सूप में गन्ना, मूली, कंद, सेब, केले जैसे मौसमी फल होते हैं। इस लिहाज से देखें तो दीपावली, करवा चौथ, क्रिसमस आदि के विपरीत छठ पर्व ने अब तक बाजार को अनाधिकार प्रवेश से रोक कर रखा है। हालांकि राजनीति ने लोक आस्था के इस पर्व में अपनी घुसपैठ कर ही ली है। हिंदी पट्टी पर भाजपा धार्मिक भावनाओं को भुनाते हुए ही अपना दबदबा बढ़ा पाई है। पहले ये भावनाएं राम मंदिर से जुड़ी हुई होती थीं, अब मंदिर बन गया है तो भाजपा ने अपनी रणनीति में हिंदू धर्म के पर्व त्योहारों को सियासत का जरिया बना लिया है। नवरात्रि पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व्रत और कन्यापूजा करते दिखते हैं। रामलीलाओं का हिस्सा बनते हैं। दीपावली पर अयोध्या में दीए जलाने का रिकार्ड बनने लगा है और अब दिल्ली जीतने के बाद यहां भी यह सिलसिला शुरू हो गया है। छठ पूजा पर भी दिल्ली में हलचल रहती ही थी, लेकिन इस बार बिहार चुनाव के कारण भाजपा ने मानो इसे अपना राजनैतिक पर्व मनाने के लिए इस्तेमाल किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी अर्घ्य देते नजर आईं, ताकि पूर्वांचलियों से निकटता दिखा सकें। इस बार तो राष्ट्रपति मुर्मू के अर्घ्य देने की तस्वीरें भी सामने आईं। बिहार के नेताओं के घरों पर शुरू से छठ पूजा होती रही है। लेकिन बिहार चुनावों के कारण सोशल मीडिया पर सभी ने छठ पूजा की खूब सारी तस्वीरें डालीं, ताकि जनता को बताया जा सके कि छठी मैया से उन्होंने आशीर्वाद मांगा है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार तस्वीरों की इस प्रतियोगिता में चूक गए। उनकी तैयारी तो पूरी थी कि दिल्ली के वासुदेव घाट पर जाकर अर्घ्य वे दें और फिर उन तस्वीरों को जनता तक पहुंचाएं। भाजपा समर्थित मीडिया के कुछ एंकर्स भी वासुदेव घाट जाकर, रेखा गुप्ता का साक्षात्कार कर यह माहौल बना चुके थे कि भाजपा सरकार के आते ही यमुना नदी साफ हो गई है। लेकिन इन्हीं खबरों के बरक्स आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और कुछ पत्रकारों ने यमुना नदी की सफाई की पोल खोल दी, जिसकी वजह से प्रधानमंत्री मोदी को उगते सूर्य को अर्घ्य देने और बिहार चुनाव से ठीक पहले छठी मईया के नाम पर भावनाओं को भुनाने का मौका नहीं मिला। भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी के आने को लेकर कई जगह पोस्टर-बैनर लगाए थे। खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस अवसर के इंतजार में थीं कि श्री मोदी वासुदेव घाट पर डुबकी लगाते तो हाईकमान के सामने उनके अंक कुछ और बढ़ जाते। लेकिन मीडिया के एक हिस्से ने पड़ताल कर यह सच जनता के सामने ला दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक नकली यमुना बनाई गई है और उसमें साफ पानी लाकर डाला गया है। कुछ स्वतंत्र यूट्यूबर्स ने वीडियो के जरिए दिखाया कि सोनिया विहार से पानी की पाइपलाइन लाकर उसमें गंगा का पानी डाला गया। यही बात आप नेता सौरभ भारद्वाज भी कई दिन पहले से बता रहे थे। भाजपा नेताओं ने दावा किया था कि दिल्ली में भाजपा सरकार ने यमुना को छठ पर खासतौर से साफ कराया है। लेकिन दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पल्ला को छोड़कर शहर के अधिकांश हिस्सों में यमुना का पानी स्नान के लिए अयोग्य है। नदी में अमोनिया और जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर उच्च है, जो गंभीर जैविक प्रदूषण का संकेत देता है। बेहतर व्यवस्थाओं के दावों के बावजूद, नदी की स्थिति बिहार अभी भी प्रदूषित ही बनी हुई है। आप नेता सौरभ भाद्वाज ने यह दावा भी किया कि यमुना नदी में गंदगी के कारण बने झाग को दबाने के लिए उसी रसायन का छिड़काव किया गया, जिसका विरोध केजरीवाल सरकार के समय भाजपा के लोग किया करते थे। आप ने सोशल मीडिया पोस्ट्स में आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री का ख्याल रखने के लिए फिल्टर्ड पानी की आपूर्ति अलग से की गई, लेकिन गंदगी से भरी यमुना के जल से लोगों की जान पर जो आफत आ रही है, उसका ख्याल भाजपा सरकार को नहीं है। इन आरोपों में दम है, क्योंकि यमुना नदी बरसों बरस से प्रदूषित हो रही है और उसे साफ करने के गंभीर प्रयास सिरे से नदारद हैं। इसमें जनजागरुकता का अभाव तो है ही, क्योंकि नदियों, तालाबों, कुंओं, बावड़ियों समेत तमाम जलस्त्रोतों का रखरखाव समाज ने करना छोड़ दिया है। इसकी जिम्मेदारी सरकार पर डाल दी है कि वही इन्हें ठीक करेगी।

क्रिकेट में अहम योगदान के लिए महान गेंदबाज एंडरसन को मिली नाइटहुड की उपाधि, जानिए करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 43 वर्षीय एंडरसन को यह सम्मान पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की इस्तीफा सम्मान सूची में अप्रैल 2024 में नामित किया गया था। उन्हें यह उपाधि क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान के लिए दी गई है। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को विंडसर कैसल में आयोजित एक समारोह में प्रिंसेस ऐन ने नाइटहुड की उपाधि देकर सम्मानित किया। 43 वर्षीय एंडरसन को यह सम्मान पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की इस्तीफा सम्मान सूची में अप्रैल 2024 में नामित किया गया था। उन्हें यह उपाधि क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान के लिए दी गई है। पिछली साल लिया संन्यास एंडरसन ने जुलाई 2024 में लॉर्ड्स में अपने 21 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन किया था। उन्होंने 188 टेस्ट मैचों में कुल 704 विकेट लिए, जो किसी तेज गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक हैं। उनसे आगे सिर्फ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वॉर्न (708) हैं।

तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

कहा- 'मैं लीगल एक्शन लूंगी'

काफी दिनों से जय भानुशाली और माही विज के तलाक की खबरें चर्चा में हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह के दावे किए जा रहे हैं। एक पोस्ट पर माही विज ने रिएक्शन देते हुए गुस्सा जाहिर किया है। माही विज और जय भानुशाली अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर दोनों का रिश्ता टूट गया है और कपल का तलाक होने वाला है। यह खबर सामने आने के बाद जय और माही के फैंस आहत हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक को लेकर तरह-तरह के दावे करते हुए पोस्ट वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए माही विज ने गुस्सा जाहिर किया है। अभिनेत्री के हवाले से किया गया कमेंट जय भानुशाली के साथ तलाक की अफवाहों पर माही विज ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर नाम के पेज से एक पोस्ट साझा किया गया। इसमें माही विज के हवाले से एक कमेंट लिखा गया, जिसमें कहा गया है, 'आधिकारिक रूप से पांच मिनट पहले मेरा तलाक हुआ है। मुझे पता है कि कुछ लोग इस पर बधाई देंगे, लेकिन मेरे लिए ऐसे परिदृश्य मायने नहीं रखते। तलाक होना हमेशा दुखद ही होगा'। इस पोस्ट पर माही विज ने कमेंट किया है। माही ने कही लीगल एक्शन लेने की बात इस पोस्ट पर माही विज ने गुस्सा जाहिर करते हुए हिदायत दी है। माही विज ने कमेंट लिखा है, 'झूठी बातें पोस्ट मत करिए। मैं इसके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगी'। अभिनेत्री ने शायद तलाक को लेकर उनकी तरफ से की गई कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। फिलहाल माही के इस कमेंट से उनके फैंस ने राहत की सांस ली है कि शायद तलाक की बात झूठी हो। हालांकि, माही के कमेंट में यह जिक्र नहीं है कि तलाक होगा या नहीं, उन्होंने गलत नैरेटिव फैलाने को लेकर एतराज जताया है। 2011 में हुई थी शादी माही विज और जय भानुशाली की शादी साल 2011 में हुई थी। साल 2017 में इस कपल ने दो बच्चों- खुशी और राजवीर को गोद लिया। अगस्त 2019 में कपल के घर बेटी तारा का जन्म हुआ। कथित तौर पर शादी के 14 साल बाद यह खूबसूरत जोड़ी अलग हो रही है। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

तुम्हारे जन्म के लिए शुक्रिया.. अदिति राव हैदरी के बर्थडे पर पति ने बरसाया प्यार, शेयर किए लेडीलव संग बिताए सुहाने पल

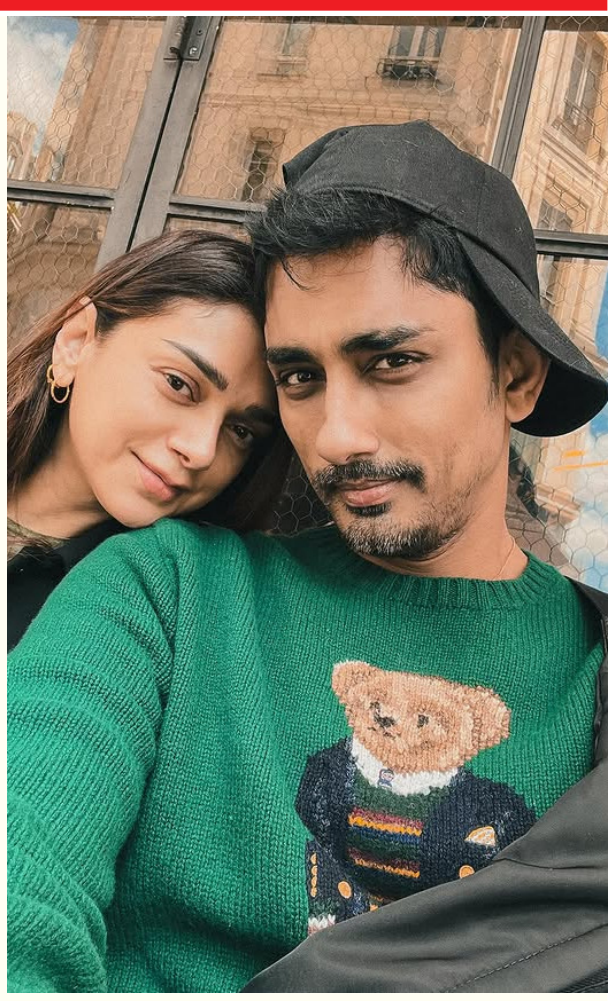

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की खूबसूरत अदाकारा अदिति राव हैदरी का आज बर्थडे है। 28 अक्टूबर को एक्ट्रेस अपना 39वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर सोशल मीडिया पर चौतरफा बधाइयां मिल रही हैं। वहीं, मशहूर एक्टर सिद्धार्थ ने अपनी प्यारी सी पत्नी के जन्मदिन पर एक बेहद प्यारा और भावनात्मक पोस्ट शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इन फोटोज में दोनों एक-दूसरे के साथ मुस्कुराते, गले लगते और बेहद रोमांटिक पलों को जीते नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ एक्टर ने अपनी पत्नी के लिए एक लंबा और दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा। उनका यह पोस्ट देखते ही फैंस ने कपल पर प्यार बरसाना शुरू कर दिया। कुछ ही घंटों में यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने बीते साल शादी के बंधन में बंधकर अपने रिश्ते को नया मुकाम दिया था। दोनों ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट किया और फिर परिवार की मौजूदगी में निजी समारोह में विवाह किया। कपल अपनी शादीशुदा जिंदगी को काफी प्राइवेट रखता है।

केबीसी में अमिताभ बच्चन के पैर छूने को लेकर खालिस्तानी संगठन के निशाने पर दिलजीत दोसांझ, आतंकी पन्नु से मिली धमकी

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। दरअसल, एक्टर कुछ दिन पहले मशहूर शो कौन बनेगा करोड़पति 17 के सेट पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने शो के होस्ट अमिताभ बच्चन से मुलाकात की और मंच पर पहुंचते ही उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। वहीं, अब इसी बात को लेकर खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के संगठन सिख्स फॉर जस्टिस की ओर से दिलजीत दोसांझ को धमकी मिली है। संगठन ने दिलजीत के अमिताभ के प्रति दिखाए सम्मान को 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों का अपमान बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एसएफजे ने दिलजीत दोसांझ के आगामी 1 नवंबर

को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले म्यूजिक कॉन्सर्ट को रद्द करने की मांग की है। संगठन ने दावा किया है कि अगर कॉन्सर्ट आयोजित किया गया तो वे इसका विरोध करेंगे। अपने बयान में एसएफजे ने कहा कि दिलजीत दोसांझ ने कौन बनेगा करोड़पति 17 में अमिताभ बच्चन के पैर छूकर उन सभी सिख पीड़ितों, विधवाओं और अनाथों का अपमान किया है, जिन्होंने 1984 के दंगों में अपनों को खोया था। एसएफजे ने अपने बयान में आगे कहा कि 1984 में सिख विरोधी हिंसा के दौरान अमिताभ बच्चन पर खून का बदला खून जैसे नारे लगाने का आरोप लगाया गया था। संगठन का कहना है कि बच्चन ने उस समय की भीड़ को भड़काया था, जिसके चलते देशभर में सिख समुदाय के सैकड़ों लोग मारे गए थे। हालांकि, अमिताभ बच्चन इन आरोपों को पहले भी कई बार सिरे से खारिज कर चुके हैं। कुछ दिन पहले दिलजीत दोसांझ सोनी टीवी के मशहूर शो कौन बनेगा करोड़पति 17 के सेट पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने शो के होस्ट अमिताभ बच्चन से मुलाकात की और मंच पर पहुंचते ही उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया।अमिताभ ने भी दिलजीत को पंजाब का बेटा कहकर सम्मानित किया और दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया। यह पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। हालांकि, इसी दृश्य के बाद एसएफजे ने इसे विवाद का रूप दे दिया। एसएफजे ने चेतावनी देते हुए कहा कि दिलजीत दोसांझ का ऑस्ट्रेलिया में 1 नवंबर को होने वाला शो सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है, इसलिए इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने आयोजकों को भी चेतावनी दी है कि अगर शो आयोजित हुआ तो शांतिपूर्ण विरोध किया जाएगा। इस धमकी के बाद ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। स्थानीय पुलिस अब कॉन्सर्ट स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने पर विचार कर रही है। भारत में भी इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। जहां एक ओर कुछ लोग दिलजीत के समर्थन में उतर आए हैं, वहीं कुछ एसएफजे की धमकियों की निंदा कर रहे हैं। बता दें, दिलजीत दोसांझ फिलहाल अपने अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक टूर में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह जल्द ही बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन के साथ अपनी अगली फिल्म में नजर आने वाले हैं।

इस हैलोवीन देखें बॉलीवुड की ये हॉरर-कॉमेडी फिल्म्स, ये रही लिस्ट

हर साल अक्टूबर का आखिरी हफ्ता अपने साथ लेकर आता है हैलोवीन का रोमांच वह समय जब डर और रहस्य का माहौल चारों ओर छा जाता है। अगर आप भी इस हैलोवीन पर कुछ ऐसा देखना चाहते हैं जिससे रोंगटे खड़े हो जाएँ, तो तैयार हो जाइए भारत और दुनिया की कुछ बेहतरीन हॉरर फिल्मों की लिस्ट के लिए, जो इस हैलोवीन नाइट को और भी रोमांचक बना देंगी। 2025 की हिंदी साइ-फाई सुपरनैचुरल थ्रिलर, निर्देशक पुनीत शर्मा और अभिनेता सुधांशु राय के साथ।

एक जासूस जो अब सेल्समैन बन चुका है, यूपी के एक दूरस्थ गांव में पहुंचता है और वहां होने वाली रहस्यमयी गुमशुदगियों में फँस जाता है। इन सबके पीछे है एक अदृश्य छाया पिशाच। सस्पेंस और सिनेमैटोग्राफी से भरपूर, बैदा इस साल की परफेक्ट हैलोवीन मूवी है। अब अमेजन प्राइम वीडियो पर रेंट पर उपलब्ध।

2. थम्मा

इस हैलोवीन अगर आप सिर्फ डर नहीं, बल्कि रहस्य और रोमांस का नया तड़का चाहते हैं, तो थम्मा आपकी परफेक्ट वॉचलिस्ट में होनी चाहिए। मैडॉक फिल्म्स की इस सुपरनैचुरल रोमांस-हॉरर कॉमेडी में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी एक इतिहासकार की है जो एक रहस्यमयी वैम्पायर महिला के प्यार में उलझ जाता है, और इसी प्यार के बीच खुलती है सदियों पुराने वैम्पायर कबीले की रहस्यमयी दुनिया। डर, हास्य और प्रेम का यह दिलचस्प मेल थम्मा को एक अलग ही अनुभव बनाता है ऐसा जो डराता भी है और मोहित भी करता है।

3.राज

यह फिल्म आज भी एक क्लासिक हॉरर मूवी मानी जाती है, जो दर्शकों की रूह तक कंपा देती है। ऊटी के डरावने नजारों से लेकर इसके बैकग्राउंड म्यूजिक और दमदार अभिनय तक, राज हॉरर प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है। विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में बिपाशा बसु, डिनो मोरिया और मालिनी शर्मा ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई हैं।

4.भूल भुलैया

अक्षय कुमार और विद्या बालन अभिनीत यह फिल्म एक कथित रूप से प्रेतवाधित महल और एक युवती पर आत्मा के साये की रहस्यमयी कहानी पर आधारित है। इसमें सस्पेंस, डर और मनोरंजन का शानदार मेल देखने को मिलता है। इसकी यादगार संगीत और चौंका देने वाले दृश्यों ने इसे एक बेहतरीन हॉरर-कॉमेडी बना दिया है।

5.अलोन

बिपाशा बसु के डुअल रोल से सजी अलोन की कहानी जुड़ी हुई (सियामी) जुड़वां बहनों की है, जिनमें से एक की मृत्यु हो जाती है और उसकी आत्मा बदले की भावना से लौट आती है। डरावने दृश्यों, भयावह बैकग्राउंड म्यूजिक और बिपाशा के सशक्त अभिनय के साथ यह फिल्म दर्शकों को सीट से बाँधे रखती है।

6.स्त्री

अगर आप बॉलीवुड की किसी मनोरंजक हॉरर फिल्म की तलाश में हैं, तो स्त्री आपके लिए सही विकल्प हो सकती है।

आंखों की तारीफ करते हुए पुलकित सम्राट ने पत्नी कृति खरबंदा को दी जन्मदिन की बधाई, शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

आज 29 अक्तूबर को बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा का 35वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर कृति के पति और एक्टर पुलकित सम्राट ने पत्नी को जन्मदिन की खास बधाई दी है। पुलकित सम्राट ने अपनी पत्नी कृति त्वचा पर और डूबता सूरज तुम्हारी आंखों में... मुझे मेरा हमेशा का साथ मिल गया। जन्मदिन मुबारक, मेरा सबसे पसंदीदा नजारा पुलकित की इस पोस्ट पर सोफी चौधरी ने कृति को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे कृति- बहुत सारा प्यार।' पुलकित सम्राट का वर्कफ्रंट पुलकित सम्राट ने अपने करियर की शुरूआत टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। पुलकित की आने वाली वेब सीरीज का नाम 'ग्लोरी' है, जिसमें वह एक शक्तिशाली बॉक्सर की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा पुलकित फिल्म 'राहु केतु' में नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा की जा चुकी है। इस फिल्म में पुलकित और वरुण शर्मा की जोड़ी साथ में नजर आएगी। इन दोनों के अलावा इस फिल्म में शालिनी पांडे नजर आएंगी।

खरबंदा के 35वें जन्मदिन को समुद्र तट पर खास तरीके से मनाया। पुलकित ने सोशल मीडिया हैंडल पर कई रोमांटिक तस्वीरें भी शेयर कीं। इसके साथ ही पुलकित ने पत्नी ने लिए एक रोमांटिक नोट भी लिखा। पुलकित सम्राट का पोस्ट पुलकित ने इंस्टाग्राम पर दोनों की रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में वे रेत पर लेटे हुए एक-दूसरे की आंखों में खोए नजर आए। कृति लाल स्विमसूट में बहुत सुंदर लग रही हैं और पुलकित उन्हें प्यार से देख रहे हैं। इस पोस्ट के साथ पुलकित ने कैप्शन में लिखा, 'समुद्र का नमक हमारी

जुबीन गर्ग मौत मामले में जांच पर भड़के कांग्रेस सांसद, असम सीएम हिमंत को दी चेतावनी; बोले- निर्दोष लोगों को

असमिया गायक जुबीन गर्ग के निधन को लेकर एक महीने से लगातार जांच चल रही है। अब इसे लेकर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने असम सरकार को चेतावनी दी है। जानिए उन्होंने क्या कहा। गायक जुबीन गर्ग के निधन ने सभी को हैरान कर दिया था। उनकी मौत को लेकर एसआईटी लगातार जांच कर रही है। इसमें कई खुलासे भी हुए और कई लोगों को हिरासत में लिया गया। अब इस जांच पर कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई ने टिप्पणी करते हुए असम सरकार पर आरोप लगाए हैं। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। असम सरकार को चेतावनी दी कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई ने एएनआई से बात करते हुए दिवंगत गायक जुबीन गर्ग मौत मामले की जांच को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, ₹मैं हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चल रही असम सरकार को चेतावनी दे रहा हूं कि एसआईटी के जरिए निर्दोष लोगों को निशाना न बनाया जाए। 30 दिन से ज्यादा बीत चुके हैं और हमें अभी भी नहीं पता कि जुबीन गर्ग की मौत कैसे हुई। सच्चाई का पता लगाने के बजाय, एसआईटी का इस्तेमाल सीएम के कार्यकर्ताओं और आलोचकों को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। 5 महीने बाद, उनकी पार्टी सत्ता से बाहर हो जाएगी। एसआईटी कर रही जांच राज्य पुलिस की सीआईडी का 10 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) जुबीन गर्ग की मौत के मामले की जांच कर रही है, जिसमें अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सिंगापुर पुलिस भी जांच कर रही है और असम से एसआईटी अधिकारी अपनी जांच के तहत दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश का दौरा करने वाले हैं। बता दें कि जुबीन के निधन के बाद वैदिक अनुष्ठान परिवार द्वारा उनके स्टूडियो में आयोजित किए गए, जिसमें जुबीन गर्ग के पिता, पत्नी, बहन और अन्य लोग शामिल हुए।

सिडनी में शतकीय पारी से रोहित को हुआ फायदा, वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे; बनाया रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। रोहित 38 साल 182 दिन की उम्र में वनडे रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज बनने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी की जारी नवीनतम वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच में नाबाद शतकीय पारी खेली थी जिसका उनको फायदा हुआ। रोहित 38 साल 182 दिन की उम्र में वनडे रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज बनने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बिखेरी चमक रोहित भारत के अनुभवी बल्लेबाज हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज से भारतीय जर्सी में वापसी की थी। रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले भारत के लिए आखिरी बार इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेले थे। उन्होंने 223 दिनों बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच में रोहित का बल्ला खामोश रहा था, लेकिन अगले दो मैचों में वह पुरानी लय में नजर आए थे। रोहित इस दौरान वनडे में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए थे।

इस्लामी देशों के संगठन ने फिर जम्मू कश्मीर पर बात की

लेकिन पीओके के प्रदर्शनों पर साधी चुप्पी

जेद्दाह (एजेंसी)। इस्लामी देशों के संगठन ने काबुल में पाकिस्तान के हमले, पाकिस्तान द्वारा अफगान क्रिकेटरों की हत्या और पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा बलूच लोगों पर अत्याचार जैसे कई मुद्दों पर चुप्पी साधे रखी। ओआईसी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ हाल के विरोध प्रदर्शनों पर भी मुंह नहीं खोला। इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी (ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कॉपरेशन) ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर को लेकर बयान दिया है। ओआईसी सचिवालय ने एक बयान में कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों को आत्मनिर्णय का अधिकार मिलना चाहिए। हालांकि इस्लामी देशों का ये संगठन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में हो रही ज्यादतियों पर चुप रहा और पीओके में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों पर एक शब्द नहीं कहा। क्या कहा इस्लामी देशों के संगठन ने डक्ढ सचिवालय ने सोमवार को एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने जम्मू कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार की वकालत की और उनके साथ एकजुटता दोहराई। बयान में कहा गया है, 'सचिवालय इस्लामिक सम्मेलन और विदेश मंत्रियों की परिषद के संबंधित प्रस्तावों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर के लोगों के उनके मौलिक मानवाधिकारों, जिसमें आत्मनिर्णय का उनका अधिकार भी शामिल है, के लिए उनके न्यायपूर्ण संघर्ष में अपना पूरा समर्थन दोहराता है। यह भारत से जम्मू और कश्मीर के लोगों के मौलिक मानवाधिकारों का सम्मान करने का भी आग्रह करता है।' बयान में आगे कहा गया है, 'सचिवालय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार जम्मू और कश्मीर विवाद के अंतिम समाधान की जरूरत पर भी जोर देता है और इन प्रस्तावों को लागू करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपनी अपील दोहराता है।' ओआईसी की निष्पक्षता पर उठे सवाल हालांकि, इस्लामी देशों के संगठन ने काबुल में पाकिस्तान के हमले, पाकिस्तान द्वारा अफगान क्रिकेटरों की हत्या और पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा बलूच लोगों पर अत्याचार जैसे कई मुद्दों पर चुप्पी साधे रखी। ओआईसी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ हाल के विरोध प्रदर्शनों पर भी मुंह नहीं खोला। गौरतलब है कि यूरोपीय लेखक और पश्चिम एशिया मामलों के विशेषज्ञ माइकल अरिजेंटी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (ढ्ढञ्जखङ) में हो रही हत्याओं पर आंखें मूंदने के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (डक्ढ) और अरब देशों की कड़ी आलोचना की थी।

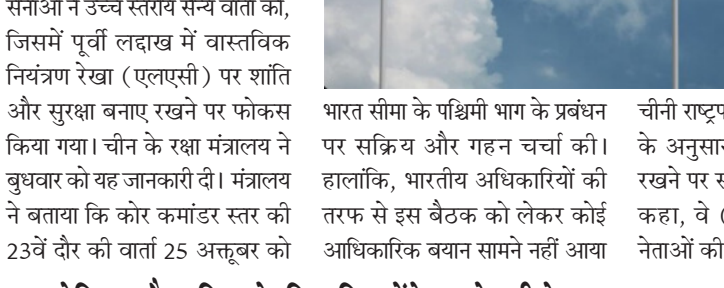

भारतीय मूल के बड़े उद्योगपति दर्शन सिंह की कनाडा में हत्या, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दर्शन सिंह साहसी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गोल्डी ढिल्लन, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। कनाडा में भारतीय मूल के एक बड़े उद्योगपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। कनाडा के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय मूल के उद्योगपति दर्शन सिंह साहसी की कनाडा के एबट्सफोर्ड इलाके में उस वक्त हत्या कर दी गई, जब वे कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे।

हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज आया सामने दर्शन सिंह साहसी की हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दर्शन सिंह अपनी कार में सवार होते दिख रहे हैं, तभी एक हमलावर उनके पास आता है और दर्शन सिंह पर गोलियां चला देता है। हमलावर अकेला था और मौके से एक टोयोटा कोरोला कार में सवार होकर फरार हो गया। गोलीबारी की सूचना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दर्शन सिंह गंभीर हालत में घायल थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। कनाडा पुलिस ने बताया कि अभी जांच शुरूआती चरण में है और जल्द ही इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी वहीं कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दर्शन सिंह साहसी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गोल्डी ढिल्लन, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है।

भारत-चीन के बीच हुई सैन्य वार्ता

पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर चर्चा; चीनी रक्षा मंत्रालय का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि भारत और चीन की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने पर उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता की। दोनों पक्षों ने कोर कमांडर स्तर की 23वीं वार्ता में सीमा प्रबंधन पर गहन चर्चा की और संवाद जारी रखने पर सहमति जताई। भारत और चीन की सेनाओं ने उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता की, जिसमें पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने पर फोकस किया गया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि कोर कमांडर स्तर की 23वें दौर की वार्ता 25 अक्तूबर को भारतीय क्षेत्र में मोल्दो-चुशुल सीमा पर मिलन बिंदु पर हुई। दोनों पक्षों ने चीन-भारत सीमा के पश्चिमी भाग के प्रबंधन पर सक्रिय और गहन चर्चा की। हालांकि, भारतीय अधिकारियों की तरफ से इस बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के फैसले के अनुसार संवाद और वार्ता जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा, वे (सेनाएं) दोनों देशों के नेताओं की बीच बनी अहम सहमति के मार्गदर्शन में सैन्य और राजनयिक माध्यमों से संचार और बातचीत जारी रखने व चीन-भारत सीमा क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए। 2020 में गलवां घाटी में भारत और चीन के बीच टकराव हुआ था। यह पिछले 40 वर्षों में एलएसी पर सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था, जिसमें दोनों पक्षों के सैनिकों की जान गई। इस घटना ने तनाव को बढ़ा दिया था और द्विपक्षीय संबंधों को ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंचा दिया था। हालांकि, 2024 में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों के संबंध सुधार की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले अगस्त में भारत और चीन ने सीमा के सवाल पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक की और द्विपक्षीय संबंध सुधारने के लिए कई उपायों पर सहमति व्यक्त की। इसमें भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) के तहत एक कार्य समूह स्थापित करना शामिल है, ताकि सीमा प्रबंधन को प्रभावी बनाकर भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखी जा सके। दोनों पक्षों ने सीमा प्रबंधन तंत्र का इस्तेमाल करते हुए कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और तनाव कम करने पर चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की।

एसआईआर के बाद 12 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ेंगे मतदान केंद्र, छोटी होंगी वोटिंग की कतारें

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू करने की घोषणा की है। ऐसे में इन राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद अधिक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। देशभर में मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों को कम करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने कहा है कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस व्यवस्था के बाद मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए कतारों में कम समय बिताना पड़ेगा। बिहार बना देश का पहला राज्य बिहार इस अभियान को पूरा करने वाला पहला राज्य बन गया है, जहां अब हर पोलिंग स्टेशन पर अधिकतम 1,200 मतदाता होंगे। पहले यह संख्या 1,500 थी। इस बदलाव से राज्य में मतदान केंद्रों की संख्या 77,895 से बढ़कर 90,712 हो गई है। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू होगा अभियान 4 नवंबर से शुरू होने वाले एसआईआर अभियान के तहत जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया चलेगी, वे हैं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। कॉलोनियों और ऊंची इमारतों में भी बनेंगे नए मतदान केंद्र जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 4 नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी, उनके मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के अनुसार नए मतदान केंद्र ऊंची इमारतों, रिहायशी कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों में स्थापित किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी नए मतदान केंद्र स्थापित करने के संबंध में राजनीतिक दलों से परामर्श करेंगे। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि एक ही मतदान केंद्र पर एक ही परिवार के सभी सदस्यों को रखने का विशेष ध्यान रखा जाए। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि जहां तक संभव हो, मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचने के लिए 2 किमी से अधिक की यात्रा न करनी पड़े।

'अमेरिका और दुनिया के लिए निकलेंगे अच्छे नतीजे..', जिनपिंग से मुलाकात से पहले बोले डोनाल्ड ट्रंप

सिओल (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली बैठक को लेकर भरोसा जताया कि इससे उनके देश और दुनिया के लिए सकारात्मक नतीजे निकलेंगे। उन्होंने कहा कि चीन के साथ उनके संबंध अच्छे हैं और कई समस्याओं का समाधान हो सकता है। चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से गुरुवार को होने वाली बैठक से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भरोसा जताया कि इस मुलाकात से उनके देश और पूरी दुनिया के लिए बहुत अच्छा परिणाम निकलेगा। ट्रंप ने यह बयान बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में दिया, जब वह एयर फोर्स वन विमान से दक्षिण कोरिया जा रहे थे। 'मुलाकात में निकलेगा समस्याओं का समाधान' पत्रकारों ने ट्रंप जिनपिंग से होने वाली मुलाकात के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, कल सुबह होने वाली बैठक वह है जिसे ज्यादातर लोग सबसे दिलचस्प मानते हैं। मुझे लगता है कि हमारी शी जिनपिंग से शानदार मुलाकात होगी और कई समस्याओं का समाधान निकलेगा। उन्होंने कहा कि वह इस बैठक को लेकर आशावादी हैं। चीन के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंधः ट्रंप ट्रंप ने कहा, मुझे थोड़ी जानकारी है कि क्या चल रहा है, क्योंकि हम उनसे पहले से बात कर रहे हैं। हम अचानक किसी बैठक में नहीं जा रहे। चीन के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमारे देश और पूरी दुनिया के लिए बहुत अच्छा परिणाम निकलने वाला है। यह दुनिया के लिए जरूरी है। 'किम जोंग-उन से बातचीत के तैयार हूं....' अमेरिकी राष्ट्रपति का दक्षिण कोरिया दौरा खास माना जा रहा है, क्योंकि वह गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बहुप्रतीक्षित शिखर बैठक करने वाले हैं।

इस्राइली हमलों में मृतकों का आंकड़ा 81 हुआ, आईडीएफ ने कहा- संघर्ष विराम अभी भी जारी; ट्रंप का मिला साथ

गाजा (एजेंसी)। एक इस्राइली अधिकारी ने कहा कि दक्षिणी गाजा में उनकी सेना पर गोलीबारी की गई थी, जिसमें इस्राइली सैनिक मारे गए थे। इसके बाद नेतन्याहू ने संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के लिए हमास को कड़ा जवाब देने की बात कही थी। गाजा में फिर से लड़ाई छिड़ गई है और बीती रात इस्राइल ने गाजा पर हवाई हमले किए, जिसमें मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 81 हो गया है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने ये दावा किया है। इस्राइल का ये हमला ऐसे समय हुआ हैं, जब इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर जोरदार हमले करने का आदेश दिया था। नेतन्याहू ने ये आदेश हमास द्वारा कथित तौर पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के बाद दिया। मरने वालों में कई बच्चे और महिलाएं गाजा के दीर एल बलाह स्थित अक्सा अस्पताल के एक बयान में बताया कि बीती रात कम से कम 10 शव अस्पताल पहुंचे, जिनमें तीन महिलाएं और छह बच्चों के शव थे। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस स्थित नासर अस्पताल ने बताया कि इलाके में पांच इस्राइली हवाई हमलों के बाद 20 शवों को अस्पताल लाया गया, जिनमें से 13 शव बच्चों और दो महिलाओं के थे। मध्य गाजा स्थित अल-अवदा अस्पताल ने बताया कि उनके यहां 30 शव पहुंचे, जिनमें से 14 बच्चों के शव थे। अब ताजा जानकारी में कहा गया है कि मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 81 हो गया है। इस्राइल ने हमास पर लगाया संघर्ष विराम तोड़ने का आरोप गाजा पर हवाई हमला ऐसे समय हुआ, जब इस्राइल द्वारा हमास पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया जा रहा है। एक इस्राइली अधिकारी ने कहा कि दक्षिणी गाजा में उनकी सेना पर गोलीबारी की गई थी, जिसमें इस्राइली सैनिक मारे गए थे। इसके बाद नेतन्याहू ने संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के लिए हमास को कड़ा जवाब देने की बात कही थी। हमास ने सोमवार को कुछ अवशेष सौंपे थे, जिनके बारे में इस्राइल ने दावा किया कि जो बंधक पहले ही इस्राइल लौट चुका है, उसके अवशेष बताकर ये सौंपे गए थे। इसे लेकर भी इस्राइल में नाराजगी है। हालांकि गाजा में संघर्ष विराम कराने वाले अमेरिका ने इस हिंसा को कम करके आंकने की कोशिश की। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि छोटी-मोटी झड़पें जल्दी ही खत्म हो जाएंगी। इस्राइल ने कहा- संघर्ष विराम अभी भी जारी बीती रात गाजा पर हवाई हमले करने के बाद इस्राइली सेना ने बुधवार को बताया कि संघर्ष विराम फिर से लागू हो गया है। हालांकि इस्राइली सेना ने कहा कि अगर उन पर हमला हुआ तो वे उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। इस्राइली हमलों में गाजा में 60 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस्राइली हमलों के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि इस्राइली सेना ने साफ कर दिया है कि संघर्ष विराम लागू है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी इस्राइली हमलों का समर्थन किया है और हमास पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार ठहराया। वहीं हमास ने इस्राइली सैनिकों पर हमले की बात से इनकार किया है और इस्राइल पर ही संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/ Northern Railway
नीलामी सूची सं.	MPS-BSB-2025
कार्य का विवरण	Allotment of Multi Purpose Stalls (MPS) at Varanasi Station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	23.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07.11.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	07.11.2025 at 11:40 hrs.
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:-

S. N.	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	Varanasi Cantt. (BSB)	Catg-LKO-BSB-MPS-9-23-1	BSB/4/5/10/MPS	07.11.2025 at 11:30 hrs.	SMU	FF/WW/WRE/LD
2	Varanasi Cantt. (BSB)	Catg-LKO-BSB-MPS-14-25-1	BSB/1/9/MPS	07.11.2025 at 11:40 hrs.	GMU	

3357/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अफगानिस्तान–पाकिस्तान शांति वार्ता रही बेनतीजा

दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर लगाए आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। तुर्किये और कतर की मध्यस्थता के बावजूद दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से जारी तनाव को खत्म करने के लिए इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता बिना किसी ठोस समाधान के समाप्त हो गई है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तारड़ ने बुधवार को बताया कि दोनों देशों के बीच हुई यह बातचीत किसी व्यवहारिक समझौते तक नहीं पहुंच सकी। यह वार्ता 25 अक्तूबर से तुर्किये और कतर की मध्यस्थता में चल रही थी। दोनों पड़ोसी देशों के बीच यह बैठक 19 अक्तूबर को दोहा में हुई युद्धविराम सहमति के बाद आयोजित की गई थी। लेकिन लगातार मतभेदों और आरोप-प्रत्यारोप के चलते वार्ता बेनतीजा रही। शांति वार्ता बेनतीजा तारड़ ने अपने बयान में कहा अफगान प्रतिनिधिमंडल मुख्य मुद्दे से भटक गया और बातचीत के मूल उद्देश्य से किनारा कर लिया। जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय अफगान तालिबान ने सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप और बहानेबाजी की। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) पर लगाम लगाए, जिसे इस्लामाबाद ने हाल के हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन तालिबान ने ळ्ळ्ढ पर नियंत्रण से इनकार करते हुए कहा कि वह समूह उनके नियंत्रण में नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के बीच काफी तनावपूर्ण माहौल रहा। अफगान पक्ष का कहना था कि वह ळ्ळ्ढ की गतिविधियों को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता, जबकि पाकिस्तान ने हालिया हमलों के लिए अफगान तालिबान को जिम्मेदार बताया। इस महीने की शुरूआत में पाकिस्तानी वायुसेना ने काबुल समेत कई इलाकों में TTP ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिसके जवाब में तालिबान ने पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर हमला किया। 'अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो खुला युद्ध शुरू हो सकता है' पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को कहा था कि अगर इस्तांबुल वार्ता में कोई समझौता नहीं हुआ तो खुला युद्ध शुरू हो सकता है। हालांकि, युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, सीमा क्षेत्र में झड़पें जारी हैं, जिसमें हाल ही में पांच पाकिस्तानी सैनिक और 25 तालिबान लड़के मारे गए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।